RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 212 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

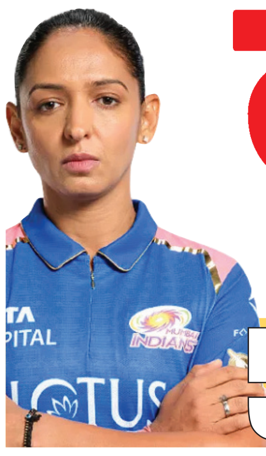

5 पिछले दो मुकाबलों में खराब बल्लेबाजी भारत को महंगी पड़ी : हरमनप्रीत कौर

6 रंगों से नहीं, परिवर्तन से खिलता है मन का वसंत

7 एआई को दुश्मन नहीं, सहायक टूल समझें : सुभाष घई

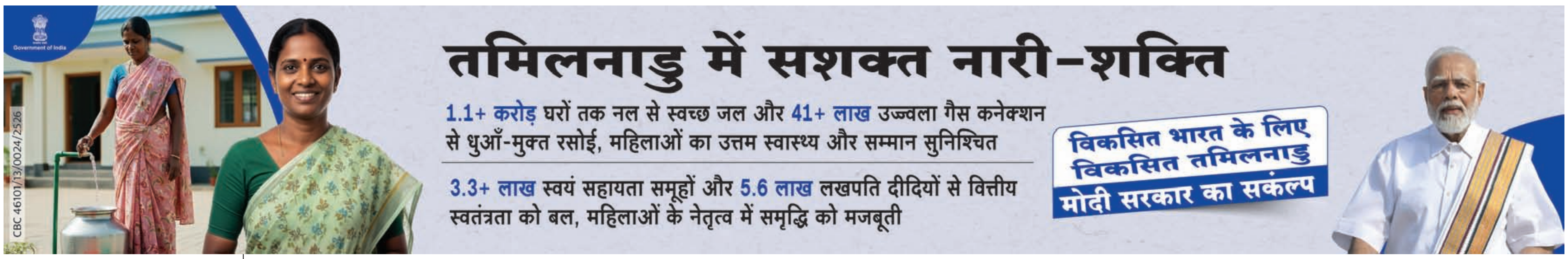

फर्स्ट टेक

'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज स्थगित करने के आदेश पर लगी रोक

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने 'द केरल स्टोरी 2–गोज बियॉन्ड' फिल्म की रिलीज स्थगित करने संबंधी एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश पर शुक्रवार को दो हफ्ते के लिए रोक लगा दी। फिल्म की रिलीज पर रोक लगाये जाने के कुछ घंटों बाद, बृहस्पतिवार देर रात इसके निर्माता विपुल अमृतलाल शाह द्वारा दायर अपील पर न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति पी.वी. बालकृष्णन की पीठ ने फैसला सुनाया। पीठ ने बृहस्पतिवार रात अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसले का विवरण अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। विपुल शाह ने अपनी अपील में दावा किया था कि फिल्म केरल राज्य या किसी भी धार्मिक समुदाय को नुकसान नहीं पहुंचाती या बदनाम नहीं करती। उनके वकीलों ने अदालत को बताया था, ''फिल्म केवल एक सामाजिक बुराई को प्रदर्शित करती है।''

बेंगलूरु में 35 लाख की चांदी चुराने के आरोप में घरेलू सहायिका गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु की एक घरेलू सहायिका को अपने मालिक के घर से लगभग 35 लाख रुपए मूल्य के 12.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जीवन बीमा नगर थाने की पुलिस ने चैत्रा को गिरफ्तार किया है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि वह पिछले ढाई साल से शहर के एक प्रतिष्ठित अस्पताल के डॉक्टर के घर पर काम कर रही थी। उनके अनुसार, चैत्रा दावणगेरे की रहने वाली है और उसने कथित तौर पर कई बार में घर से चांदी के बर्तन और पूजा सामग्री चुराई। पुलिस ने कहा, ''डॉक्टर के परिवार ने ऊपरी मंजिल पर लगभग 12.5 किलोग्राम चांदी के बर्तन जमा कर रखे थे, जिनका इस्तेमाल केवल त्योहारों के दौरान किया जाना था।'' उसने बताया, ''आरोप है कि महिला ने एक–एक करके बर्तन लिए, उन्हें गिरवी रखकर पैसे जुटाए और फिर उस रकम को खर्च कर दिया।

28-02-2026	01-03-2026
सूर्यास्त 6:17 बजे	सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
81,287.19	25,178.65
(-961.42)	(-317.90)

सोना	चांदी
16,636 रु.	278,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसकी,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों के मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

'डॉल्फिन हंटर' आईएनएस अंजदीप का जलावतरण हुआ

नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता को बढ़ाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने चेन्नई बंदरगाह पर पोत का जलावतरण किया। आईएनएस अंजदीप एंटी–सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है।

यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पोत का जलावतरण किया।

2035 तक 200 से अधिक जहाजों का लक्ष्य : नौसेना प्रमुख त्रिपाठी

चेन्नई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शुक्रवार को यहां बताया कि भारतीय नौसेना का लक्ष्य 2035 तक 200 से अधिक जहाजों वाली नौसैनिक शक्ति में परिवर्तित होना है और 2026 में 15 जहाजों को बेड़े में शामिल करने की योजना है। चेन्नई बंदरगाह पर आईएनएस अंजदीप को बेड़े में शामिल करने के बाद उन्होंने कहा कि नौसेना का दीर्घकालिक लक्ष्य जहाज निर्माण में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना और 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बल के रूप में विकसित होना है। उन्होंने कहा, नौसेना की परिचालन क्षमता हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे तक फैली हुई है, जहां नौसैनिक इकाइयां निगरानी, समुद्री डकैती विरोधी अभियानों और समन्वित गश्तों में लगातार तैनात रहती हैं, जो इसकी निरंतर पहुंच और विश्वसनीय परिचालन क्षमता को दर्शाती हैं।

आबकारी 'घोटाला' मामले में

अरविंद केजरीवाल, सिसोदिया, के. कविता और 20 अन्य बरी

■ सीबीआई से नाराजगी जताते हुए अदालत ने कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को शराब नीति मामले में बरी कर दिया और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा। इस मामले में बरी किए गए 21 अन्य आरोपियों में तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता भी शामिल हैं।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह कहा, ''इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया भी कोई मामला नहीं बनता, और न ही कोई गंभीर शक है। इसलिए, आरोपी संख्या 1 से 23 को इस मामले में उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है।''

सीबीआई आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। एजेंसी ने कहा कि वह अधीनस्थ अदालत के फैसले के खिलाफ तत्काल दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील दायर करेगी।

'फर्जी' मामले के जरिए मेरी ईमानदारी और प्रतिष्ठा पर हमला किया गया : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने शराब नीति संबंधी एक ''फर्जी'' मामले के माध्यम से आम आदमी पार्टी (आप) को खत्म करने की साजिश रची। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने प्रदूषण, प्रदूषित यमुना, खराब सड़कों जैसी समस्याओं से दिल्ली में अराजकता फैला दी है... मैं प्रधानमंत्री मोदी को दिल्ली में नए सिरे से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं और अगर भाजपा 10 से अधिक सीट जीतती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।''

सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच का निर्देश

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 22 अन्य को आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त कर दिया और एक लोकसेवक को फंसाने को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच की अनुशंसा की। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जांच में हुई खामियों को उजागर करते हुए अपने 598 पृष्ठों के आदेश में कहा, ''अदालत का कर्तव्य गढ़ी गई जांच सामग्री को खारिज करना भर ही नहीं है, बल्कि आरोपी संख्या 1 (कुलदीप सिंह) को आरोपी के रूप में फंसाने के लिए दोषी जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ उचित विभागीय कार्यवाही शुरू करने की अनुशंसा करना भी है।''

द्रमुक में शामिल हुए अन्नाद्रमुक पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम

चेन्नई। तमिलनाडु के तीन बार मुख्यमंत्री रहे और अन्नाद्रमुक से 2022 में निष्कासित ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। पनीरसेल्वम ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सुप्रीमो दिवंगत जे जयललिता के विश्वासपात्र माने जाते थे। अपने मातृ संगठन में फिर से शामिल होने के लिए तीन साल के असफल प्रयास के बाद वह द्रमुक में शामिल हो गए। ओ पनीरसेल्वम अपने समर्थकों के साथ द्रमुक में शामिल हुए।

उद्योग जगत निवेश एवं नवाचार करे, बजट घोषणाओं का लाभ उठाए : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योग जगत से निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आने और वित्तीय संस्थानों से उन्हें व्यावहारिक समाधान प्रदान करने एवं बाजार विश्वास को मजबूत करने में सहयोग देने का शुक्रवार को आग्रह किया।

'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय पर बजट के बाद आयोजित 'वेबिनार' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जब सरकार, उद्योग एवं ज्ञान क्षेत्र से जुड़े लोग एक साथ आते हैं, तो '' सुधार परिणामों में परिवर्तित होते हैं और कागज पर की गई घोषणाएं जमीनी

स्तर पर उपलब्धियों में तब्दील होती हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में अवसंरचना पर जोर दिया है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपए था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026–27 में 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह उच्च पूंजीगत व्यय आवंटन निजी क्षेत्र के लिए नए उत्साह के साथ आगे आने का संकेत है। उन्होंने उद्योग से 2026–27 के बजट की सभी घोषणाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, '' भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए। वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने असाधारण मजबूती प्रदर्शित की है। यह संयोग से नहीं बल्कि दृढ़ विश्वास–आधारित सुधारों के कारण संभव हुआ है। सरकार ने प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया है और कारोबार सुगमता को काफी आसान किया है। उन्होंने सुझाव दिया, '' हमें एक स्पष्ट 'रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर' विकसित करना चाहिए जिसमें सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग हो।

आज नहीं होगा ग्रहों का दुर्लभ संयोग : आईआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) ने 28 फरवरी को ग्रहों के एक रेखा में आने से जुड़े सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित पोस्ट में किए गए दावों को खारिज करते हुए इन्हें बेहद अतिरंजित और भ्रामक बताया। इंटरनेट पर प्रसारित पोस्ट के मुताबिक, एक भव्य नजारा देखने को मिल सकता है जहां सौर मंडल के सभी ग्रह एक सीध में आ जाएंगे, लेकिन बेंगलुरु स्थित संस्थान के वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि अधिकतर लोगों के लिए इन आकाशीय पिंडों का वास्तविक दृश्य एक समन्वित प्रदर्शन से बहुत दूर होगा। आईआईए ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर जारी एक वीडियो में, खगोलीय तथ्यों को सोशल मीडिया पर वर्तमान में चल रही डिजिटल काल्पनिक कहानियों से अलग करने के लिए विस्तृत विश्लेषण प्रदान किया है। सोशल मीडिया पर ग्रहों की परेड शब्द का प्रयोग अक्सर आकाश के एक ही क्षेत्र में कई ग्रहों के एक साथ दिखाई देने का वर्णन करने के लिए किया जाता है, लेकिन विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि ये ग्रह लाखों किलोमीटर दूर होते हैं और शायद ही कभी व्यापक रूप से प्रसारित ग्राफिक्स में अक्सर दिखाई जाने वाली एकदम सीधी रेखा बनाते हैं। वीडियो में कहा गया है कि बृहस्पति एकमात्र ऐसा ग्रह है जिसे आसानी से देखा जा सकता है, जो शाम के समय आकाश में काफी ऊपर स्थित होगा और तड़के लगभग 3.30 बजे तक अस्त नहीं होगा।

चेन्नई में मेट्रो और ग्रीन कॉरिडोर की मदद से तीन लोगों की जान बचाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। चेन्नई मेट्रो लिमिटेड, हवाई अड्डा अधिकारियों, तमिलनाडु ऑर्गन शेयरिंग नेटवर्क और तमिलनाडु पुलिस के संयुक्त प्रयासों से शुक्रवार को अपोलो अस्पताल में तीन जीवनरक्षक अंग प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक संपन्न किए गए।

चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने शुक्रवार को आपातकालीन प्रत्यारोपण के लिए हृदय और फेफड़ों को ले जाने हेतु एक विशेष ट्रेन चलाई, साथ ही त्रिची से चेन्नई तक फेफड़ों को एक विशेष समन्वित ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से पहुंचाया गया।

मदुरै के 17 वर्षीय अंग दान करने वाले व्यक्ति से फेफड़े और हृदय प्राप्त किए गए, जो रिकॉर्ड समय में अपोलो अस्पताल पहुंचे। अपोलो अस्पताल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अंगों को मदुरै से चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई मार्ग से लाया गया, जहां चिकित्सा दल और जीवन रक्षक सामग्री को ले जाने के लिए एक विशेष मेट्रो ट्रेन तैयार थी। शहर के यातायात से बचते हुए और मेट्रो कॉरिडोर का उपयोग करते हुए, हवाई अड्डे से डीएमएस मेट्रो स्टेशन तक की यात्रा मात्र नौ मिनट में पूरी हो गई, जबकि अस्पताल तक की कुल यात्रा में केवल 16 मिनट लगे।

'प्रचंड' में उड़ान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत–पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में उड़ान भरी। भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने 'आलिव ग्रीन' रंग की वर्दी और हेलमेट पहन 'प्रचंड' में बतौर 'सह–पायलट' उड़ान भरी।

ईमानदारी का ढोंग कर रहे केजरीवाल : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए उनकी ईमानदारी के दावे को 'नाटक' करार दिया और कहा कि वह शीश महल में रहने और निजी विमानों में यात्रा करने के आदी हैं और फिर भी खुद को आम आदमी कहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर आबकारी नीति में कुछ भी गलत नहीं था तो उसे वापस क्यों लिया गया।

गुप्ता ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान केजरीवाल से सवाल किया कि जांच शुरू होने के तुरंत बाद आबकारी नीति (2021-22) को वापस क्यों ले लिया गया। इस आबकारी नीति को केजरीवाल के नेतृत्व वाली तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार ने जुलाई 2022 में तब वापस ले लिया था, जब सीबीआई ने इसे बनाने और क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच शुरू की थी। केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा, आप नाटक कर रहे हैं। आप वह व्यक्ति हैं जिसे 42 साइज की कमीज आती है और 44 साइज की कमीज पहनकर दिखाते हैं कि वह कितने साधारण व्यक्ति हैं। आपको शीश महल के बाहर रहने का मन नहीं करता। दिल्ली के बाद आप पंजाब के शीश महल में रह रहे हैं। आपको निजी विमानों के अलावा कहीं और यात्रा करना पसंद नहीं है और आप खुद को ईमानदार साधारण आदमी कहते है। गुप्ता, मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए केजरीवाल के दिल्ली के एक आलीशान बंगले रहने और अब 'आप' शासित पंजाब सरकार के विमान का इस्तेमाल करके अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए यात्रा करने से जुड़े विवादों का जिक्र कर रही थी।

गुप्ता ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्हें लगता है कि शराब की एक बोतल खरीदने पर एक बोतल मुफ्त देना, शराब व्यापारियों का कमीशन पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करना और आबकारी नीति के तहत खुदरा शराब की बिक्री का निजीकरण करना उचित था।

'संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है, वह केंद्र सरकार के शपथपत्र से बाध्य नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

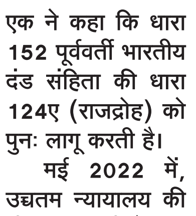

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण विशेषाधिकार है और वह केंद्र द्वारा अदालत के समक्ष दिए गए किसी भी शपथपत्र से बाध्य नहीं है।

ये टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने की, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं में से एक ने कहा कि धारा 152 पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए (राजद्रोह) को पुनः लागू करती है।

मई 2022 में, उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने राजद्रोह से संबंधित औपनिवेशिक काल के दंड कानून पर तब तक रोक लगा दी थी, जब तक कि एक उपयुक्त सरकारी प्राधिकार इसकी पुनः समीक्षा नहीं करता और केंद्र एवं राज्यों को इस अपराध का हवाला देते हुए कोई भी नई प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया था।

शुक्रवार को वकील ने कहा कि 2022 में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष राजद्रोह कानून की समीक्षा करने के लिए एक शपथपत्र दिया था। वकील ने कहा कि अदालत के समक्ष एक शपथपत्र देने के बाद सरकार बीएनएस में इस प्रावधान को दोबारा पेश नहीं कर सकती।

पीठ ने कहा, भारत सरकार ने भले ही अदालत के समक्ष शप पत्र दिया हो, लेकिन संसद उस शपथपत्र से बाध्य नहीं है। कानून बनाने का पूर्ण अधिकार संसद के पास है।

वकील ने इसके बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उच्चतम न्यायालय के ललिता कुमारी फैसले का उल्लंघन करती है, जिसमें संज्ञेय अपराध होने की सूचना पर प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य है।

वकील ने दलील दी कि धारा 173 पुलिस को यह पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच करने की अनुमति देती है कि क्या किसी मामले में आगे बढ़ने के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

पीठ ने कहा कि ललिता कुमारी फैसले काफी दुरुपयोग किया गया है। पीठ ने कहा, ''कभी-कभी फैसले वास्तविक परिस्थितियों से दूर रहकर सुनाए जाते हैं।

पीठ ने कहा कि ललिता कुमारी फैसले में यह भी कहा गया है कि यह पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच की जा सकती है कि संज्ञेय अपराध का खुलासा हुआ है या नहीं।

पीठ ने मामले की सुनवाई होली की छुट्टियों के बाद करना निर्धारित किया।

पिछले साल, उच्चतम न्यायालय ने बीएनएस की धारा 152 की वैधता को चुनौती देने वाली एक अलग जनहित याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था।

विमान में खतरनाक वस्तुओं को ले जाने के नए नियम सरकार ने अधिसूचित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्रालय ने विमान में खतरनाक वस्तुओं को ले जाने के बारे में संशोधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इनमें ऐसी वस्तुओं की साज-संभाल के लिए प्रमाणन-आधारित और जवाबदेही-आधारित व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। खतरनाक वस्तुओं से आशय उन वस्तुओं या पदार्थों से है जो स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।

नियमों में खतरनाक वस्तु की आवाजाही की जानकारी देने संबंधी ढांचे को कड़ा किया गया है। ये नियम अघोषित या गलत जानकारी देकर खतरनाक वस्तुओं को विमान में लेकर जाने से जुड़े हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इन वस्तुओं के प्रबंधन में चूक के मामलों में जांच के आदेश देने का अधिकार मिला है।

'विमान (खतरनाक वस्तुओं का परिवहन) नियम, 2026' को हितधारकों से परामर्श के बाद 17 फरवरी को अधिसूचित किया गया।

विमानन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खतरनाक वस्तुओं के परिवहन से संबंधित 2003 के नियम पूर्ववर्ती विमान अधिनियम के तहत बनाए गए थे और मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के मानकों के अनुरूप परिचालन अनुपालन विनियमों के रूप में कार्य करते थे।

इस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि नए नियम समग्र दृष्टिकोण को अनुपालन-उन्मुख ढांचे से हटाकर प्रमाणन-आधारित और जवाबदेही-आधारित व्यवस्था की ओर ले जाते हैं।

भाजपा ने केजरीवाल पर साधा निशाना : कहा- प्रश्न अब भी अनुत्तरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने यहां की एक अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि नीति से जुड़े कई सवाल अनुत्तरित हैं और कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अदालत ने अपने फैसले में इस स्तर पर सबूतों की कमी को स्वीकार किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि जांच एजेंसी ने बार-बार सबूतों को नष्ट करने का आरोप लगाया है। सचदेवा ने कहा, ''दिल्ली शराब घोटाला मामले में अदालत ने अपने फैसले में सबूतों की कमी को स्वीकार किया है। जांच एजेंसी ने बार-बार कहा है कि केजरीवाल और सिसोदिया ने सबूत नष्ट किए हैं।'' भाजपा नेता के मुताबिक, जांच एजेंसी कथित तौर पर नष्ट किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी है और ऐसी खबरें हैं कि केंद्रीय एजेंसी इस आदेश के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। सचदेवा ने नीति पर सवाल उठाते हुए कहा, ''अरविंद केजरीवाल के पास अब भी कुछ सवालों के जवाब नहीं हैं। अगर आबकारी नीति सही थी, तो जांच शुरू होते ही इसे वापस क्यों ले लिया गया, और ठेकेदारों का कमीशन बढ़ाने का मकसद क्या था?''

अमेरिका में हो रहे घटनाक्रमों पर नजर, संयुक्त बयान में पुनर्संतुलन का प्रावधान : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत अमेरिका में हाल ही में आए वहां के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते में यह प्रावधान है कि परिस्थितियों के बदलने पर समझौते को संतुलित किया जा सकता है।

गोयल का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यापारिक साझेदारों पर 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत अस्थायी आयात शुल्क लगाए जाने के बाद आया है। उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप के अप्रैल 2025 के सभी आयातों पर जबावी शुल्क लगाने के फैसले को रद्द कर दिया है। इसके बाद 24 फरवरी से 10 प्रतिशत का यह अस्थायी शुल्क लागू हुआ। साथ ही, ट्रंप ने 24 फरवरी को यह भी कहा कि वह इन शुल्कों को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर सकते हैं। जब गोयल से पूछा गया कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद क्या भारत की बातचीत की स्थिति बदल जाएगी, उन्होंने कहा, ''हमें देखना होगा। वैसे आपने अमेरिका के साथ हमारा साझा बयान तो पढ़ा ही होगा। उसमें साफ तौर पर कहा गया है कि अगर परिस्थितियां बदलती हैं, तो समझौते को दोबारा संतुलित किया जाएगा, ताकि दोनों पक्षों के हित सुरक्षित रहें।''

संयुक्त घोषणा में कहा गया था कि अगर किसी भी देश द्वारा तय किए गए आयात शुल्क में बदलाव होता है, तो दूसरा देश अपने समझौते के नियमों में बदलाव कर सकता है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया 2029 तक सभी गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराने का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार 2029 से पहले सभी गरीबों के लिए आवास सुनिश्चित करेगी और जिनके पास जमीन नहीं है, उन्हें आवासीय भूखंड आवंटित करेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विधानसभा को संबोधित करते हुए पात्र लाभार्थियों से आवेदन करने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि केंद्र एवं राज्य सरकारें सभी को आवास प्रदान करने की जिम्मेदारी लेंगी। नायडू ने कहा, हम न केवल 2029 से पहले सभी गरीबों के लिए घर बनाएंगे बल्कि भूमिहीन लोगों को आवासीय भूखंड भी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा सभी गरीबों के लिए घर बनाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में उगादी त्योहार से पहले सरकार कल्याणकारी आवास योजना के तहत तीन लाख गृह प्रवेश समारोह आयोजित करेगी और 2026 तक ऐसे 10 लाख कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प किया। कृषि के मुद्दे पर नायडू ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादन में दक्षिणी राज्य का योगदान 10% है।

कुनो अभयारण्य में मादा चीता गामिनी ने चौथे शावक को जन्म दिया, कुल संख्या 39 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने मध्यप्रदेश के कुनो राष्ट्रीय अभयारण्य में चौथे शावक को जन्म दिया है। इसी के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 39 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुनो राष्ट्रीय अभयारण्य में मादा चीता गामिनी द्वारा चौथे शावक को जन्म देने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। क्षेत्र और पशु चिकित्सा टीमों द्वारा गहन निगरानी के दौरान चौथे शावक की उपस्थिति की पुष्टि हुई।'' उन्होंने कहा, ''चारों शावक फिलहाल स्वस्थ हैं और ठीक हैं। भारत में चीतों की संख्या अब 39 हो गई है, जिनमें 28 भारत में जन्मे शावक शामिल हैं।'' दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से दौड़ने वाले स्थलीय जानवर चीता को भारत को फिर से बसाने की योजना सितंबर 2022 में शुरू की गई। योजना के तहत दक्षिण अफ्रीका से गामिनी को लाया गया था। यादव ने इस महीने के शुरुआत में गामिनी द्वारा तीन शावकों के जन्म होने की जानकारी दी थी।

किसी 'इन्फ्लुएंसर' को पैसे नहीं दिए गए, भाजपा ने झूठी कहानी गढ़ी: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह फर्जी कहानी गढ़ी थी कि मुख्य विपक्षी दल ने एआई समिट को बदनाम करने के लिए कुछ 'इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर' को पैसे दिए थे। पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कानूनी कार्रवाई की शुरुआत किए जाने के बाद भाजपा का झूठ बेनकाब हो गया।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह झूठा आरोप लगाया गया कि कांग्रेस पार्टी और भारतीय युवा कांग्रेस ने एआई समिट का विरोध करने के लिए इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर को भुगतान किया। हम इससे स्पष्ट रूप से इनकार करते हैं। किसी को पैसे नहीं दिए गए और इस बारे में किए गए दावे गलत और भ्रामक हैं।'' उन्होंने कहा कि जैसे ही कानूनी कार्रवाई की शुरुआत की गई तो कई इन्फ्लुएंसर ने अपने वीडियो हटा लिए। सुप्रिया ने दावा किया, उनमें से किसी ने भी उस व्यक्ति का नाम या नंबर नहीं बताया जिसने उनसे संपर्क किया था।

जोमैटो संस्थापक के नए स्टार्टअप में भर्ती के लिए एथलीट फिटनेस का मानक, छिड़ी बहस

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल के स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप 'टेम्पल' में भर्ती के लिए की गई एक असामान्य पोस्ट ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह अपने नए उद्यम के लिए 'ऐसे एथलीट जो इंजीनियर और वैज्ञानिक भी हों' की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने पात्रता मानदंड में पुरुषों के लिए बॉडी फैट (शरीर में वसा प्रतिशत) की मात्रा 16 प्रतिशत से कम और महिलाओं के लिए 26 प्रतिशत से कम होने की शर्त भी रखी। गोयल ने इस पोस्ट में कहा कहा, हम उन लोगों के लिए उत्पाद बना रहे हैं जो अपने शरीर को चरम सीमा तक ले जाते हैं। हम सिर्फ उन्हें सेवा नहीं देना चाहते, खुद भी वैसा ही होना चाहते हैं। इसलिए केवल वही लोग आवेदन करें जो फिटनेस को गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि जो उम्मीदवार अभी बॉडी फैट के निर्धारित स्तर पर नहीं हैं, लेकिन तीन महीने में इसे हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि तब तक वे टेम्पल में प्रोबेशन पर ही रहेंगे। गोयल ने कहा कि उनका स्टार्टअप टेम्पल 'शीर्ष स्तर के एथलीट' के लिए एक उन्नत पहनने-योग्य उपकरण (वियरेबल डिवाइस) विकसित कर रहा है। भर्ती भूमिकाओं में एनालॉग सिस्टम इंजीनियर से लेकर कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंटिस्ट तक शामिल हैं।

उनकी इस पोस्ट पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। एक उपयोगकर्ता ने कहा, मजेदार बात यह है कि 16 प्रतिशत से कम बॉडी फैट पाने के लिए पुरुषों को जोमैटो ऐप का इस्तेमाल बंद करना होगा। एक अन्य उपयोगकर्ता ने बेहतरीन फिटनेस उत्पाद बनाने और बॉडी फैट प्रतिशत के बीच के संबंध पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई उत्कृष्ट खेल प्रौद्योगिकी उत्पाद ऐसे इंजीनियरों ने बनाए हैं जो खुद आला दर्जे के एथलीट नहीं थे।

'नशा मुक्त भारत अभियान' से अबतक 25 करोड़ लोग जुड़े: केंद्रीय मंत्री

पणजी/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) की शुरुआत के बाद से अब तक 25 करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ने पणजी के पास सेंट क्रूज गांव में अभियान से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नशा मुक्ति की इस राष्ट्रीय पहल को 2020 में शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों समेत 16 लाख स्थानों पर इसे संचालित किया गया। हमने नौ करोड़ युवाओं और छह करोड़ महिलाओं समेत 25 करोड़ लोगों को जागरूक किया। पतंजलि योग, ब्रह्मकुमारी और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाएं इस मिशन से जुड़ी हुई हैं। मंत्री ने कहा कि ब्रह्मकुमारियों ने स्वयं नशामुक्त भारत का संदेश 60 लाख लोगों तक पहुंचाया है। एक नशामुक्ति केंद्र के अपने दौरे को याद करते हुए कुमार ने कहा कि वे वहां एमबीबीएस, इंजीनियरिंग और एमबीए के छात्रों को देखकर स्तब्ध रह गए।

जांच एजेंसियों को राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार बना दिया गया है : डी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने शुक्रवार को आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को आरोप मुक्त किए जाने का स्वागत करते हुए दावा किया कि इससे साबित होता है कि भाजपा ने संघीय जांच एजेंसियों को ''राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार'' बना दिया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह भी कहा कि ''सत्ता के दुरुपयोग'' के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

राजा ने कहा, दिल्ली की एक अदालत ने शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सभी 23 आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया है। इन्होंने महीनों जेल में बिताए। परिवारों को कष्ट सहना पड़ा। प्रतिष्ठा धूमिल हुई। राजनीतिक करियर को निशाना बनाया गया। यह सब विरोधियों को चुप कराने और सत्ता बरकरार रखने के भाजपा के एकमात्र एजेंडे को पूरा करने के लिए किया गया।''

भाकपा नेता ने कहा कि यह प्रकरण ''इस बात की एक याद दिलाता है कि कैसे सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को भाजपा ने राजनीतिक प्रतिशोध का साधन बना दिया है।''

एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचने वाला दंपति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने द्वारका इलाके में एक ही फ्लैट कई लोगों को बेचकर ठगी करने के आरोप में एक दंपति को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान द्वारका सेक्टर-9 निवासी नरेश कुमार सीकरी (57) और उसकी पत्नी शारदा सीकरी के तौर पर हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान, पता लगा कि दंपति ने बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्ति कई लोगों को बेचकर उनके साथ ठगी की। दंपति ने विभिन्न लोगों से दो-ढाई करोड़ रुपए ले लिए। उन्होंने बताया कि शारदा को लंबे समय तक फरार रहने के बाद सितंबर 2025 में यहां की स्थानीय अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया था।

मिट्टी, पानी एवं स्वास्थ्य को बचाये रखने के लिए प्राकृतिक खेती अहम है : महाराष्ट्र के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 'मिट्टी, पानी और स्वास्थ्य को बचाये रखने' के लिए प्राकृतिक खेती की ओर रूख करने की अपील करते हुए कहा कि कहा कि यूरिया जैसे हानिकारक उर्वरकों के व्यापक उपयोग से रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियां बढ़ी हैं।

देवव्रत ने बृहस्पतिवार को यहां 'लोकमत टाइम्स एक्सीलेंस इन हेल्थकेयर अवार्ड्स-2025' समारोह को संबोधित करते हुए डॉक्टरों से समाज को रोगमुक्त, स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ने में सक्रिय मार्गदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, जो जानवर कैद में नहीं रहते, वे शायद ही कभी बीमार पड़ते हैं। डॉक्टर की जरूरत सिर्फ मनुष्यों को पड़ती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हम स्वस्थ आहार की जगह फास्ट फूड और जंक फूड खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य हर तरह से पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। राज्यपाल ने मिट्टी, पानी और स्वास्थ्य को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती की वकालत करते हुए कहा, ''हम हानिकारक यूरिया उर्वरक का उपयोग कर रहे हैं, जो हमारे भोजन के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है। गुजरात में आदिवासी भी अब अपने भोजन में हानिकारक पदार्थों के कारण उच्च रक्तचाप और मधुमेह से ग्रस्त हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बुद्धि ही वह चीज है जो मनुष्यों को अन्य जीवों से अलग करती है, लेकिन इस बुद्धि का सदुपयोग किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें विनाशकारी क्षमता भी है।''

इस अवसर पर महाराष्ट्र के सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर, नागपुर की महापौर नीता ठाकरे, लोकमत संपादकीय मंडल के अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. विजय दरदा, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (एनईआरआई, नागपुर) के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन, पद्म श्री सम्मानित डॉ. विकास महात्मे, पद्म श्री सम्मानित डॉ. चंद्रशेखर मेश्राम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (नागपुर) के निदेशक डॉ. प्रशांत जोशी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नई जीडीपी शृंखला में देश की अर्थव्यवस्था दिसंबर तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित नई राष्ट्रीय आय शृंखला के तहत चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 7.4 प्रतिशत की तुलना में अधिक है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की समूची अवधि में देश की अर्थव्यवस्था के 7.6 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है जबकि पहले इसका अनुमान 7.4 प्रतिशत लगाया गया था। वार्षिक और तिमाही राष्ट्रीय आय के ये अनुमान नई राष्ट्रीय आय शृंखला के तहत जारी किए गए हैं। अब 2011-12 को आधार वर्ष मानने वाली पुरानी शृंखला की जगह 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। आधार वर्ष वह अवधि होता है, जिसके दाम और उत्पादन स्तर को मानक मानकर आगे की वृद्धि दर की तुलना की जाती है। इसके साथ ही जुलाई-सितंबर 2025-26 की वृद्धि दर को संशोधित कर 8.4 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 8.2 प्रतिशत आंकी गई थी। हालांकि, अप्रैल-जून तिमाही की वृद्धि दर को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। आधार वर्ष में बदलाव से आर्थिक गतिविधियों के आकलन का दायरा व्यापक होता है और नई संरचना के अनुरूप आंकड़ों को अद्यतन किया जाता है। इससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सकता है।

तमिलनाडु में एक चरण में चुनाव कराने के सुझाव पर विचार किया जाएगा : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का सुझाव दिया है और इस पर सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। तमिलनाडु में हाल में संपन्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को कुमार ने देश के लिए एक आदर्श और बड़ी सफलता बताया और कहा कि इससे मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ''बेहतर व्यवस्था के मामले में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव, बिहार चुनाव से भी आगे रहेगा। उन्होंने कहा, बिहार का अनुभव यह दिखाता है कि हाल के दशकों में वहां के चुनाव सबसे त्रुटिरहित रहे। मुझे सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और पूरी चुनावी मशीनरी समेत प्रवर्तन एजेंसियों ने आश्वस्त किया है कि तमिलनाडु के चुनाव नए रिकॉर्ड बनाएंगे और बिहार से कहीं बेहतर होंगे।'' तमिलनाडु में हाल में संपन्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उल्लेख करते हुए कुमार ने इसे देश के लिए एक आदर्श और बड़ी सफलता बताया और कहा कि इससे मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

कुछ राजनीतिक दलों की यह आलोचना कि इस प्रक्रिया के कारण मतदाताओं के नाम बड़ी संख्या में हटा दिए गए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जवाब में कहा कि इस प्रक्रिया से मतदाता सूची की शुचिता बनाए रखने में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन हुआ। उन्होंने कहा कि हालांकि कानून के अनुसार 100 प्रतिशत मतदान अनिवार्य नहीं है, लेकिन तमिलनाडु में मतदान बेहद उत्साहवर्धक और राजनीतिक चेतना के साथ होता रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का स्पष्ट उद्देश्य यह है कि कोई भी योग्य व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अयोग्य व्यक्ति उसमें शामिल न हो।

कुमार ने कहा कि ''राज्य में राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का सुझाव दिया है और इस पर सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ पता चल जाएगा कि चुनाव कितने चरण में होंगे।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने राज्य के 75,000 मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।मतगणना प्रक्रिया के संबंध में उन्होंने कहा कि 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) की अनिवार्य रूप से गिनती की जाएगी, साथ ही मतगणना पूरी होने के बाद भी कोई उम्मीदवार निर्धारित शुल्क जमा कर अगले सात दिन में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट का मिलान करा सकता है।

तमिलनाडु में 5.67 करोड़ मतदाता, 188 सीटें सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित, बनेंगे 75 हजार पोलिंग बूथ : चुनाव आयुक्त

चेन्नई। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग पिछले कुछ दिनों से तमिलनाडु में है और जिला कलेक्टरों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी दौरान, मुख्य चुनाव आयुक्त ने राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि वर्तमान में तमिलनाडु में 5 करोड़ 67 लाख मतदाता हैं। राज्य में 2.89 करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि 2.77 करोड़ पुरुष वोटर्स हैं। वहीं, पूरे राज्य में 7,617 ट्रांसजेंडर वोटर्स हैं। 80 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगभग 4 लाख है और 100 साल से ज्यादा उम्र के 2,530 वोटर्स हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मृत मतदाताओं, स्थानांतरित हो चुके लोगों या एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज नामों को मतदाता सूची से सही तरीके से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि 27 अक्टूबर 2025 से 23 फरवरी 2026 तक मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया, जिसका उद्देश्य था कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि तमिलनाडु में 234 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें से 188 सामान्य, 44 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। इस बार पूरे राज्य में लगभग 75,000 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें से लगभग 44,000 ग्रामीण इलाकों में होंगे।

नई पहलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण कदम यह है कि ईवीएम की गिनती से पहले दो दौर में डाक मतपत्रों की गिनती की जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दक्षिण भारत में प्रचलित रही 'कुदावोलाई' व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि तमिलनाडु का लोकतंत्र के लिहाज से गौरवशाली अतीत रहा है। 'कुदावोलाई' का शाब्दिक अर्थ मतदान पात्र होता है। दक्षिण भारत, विशेष रूप से तमिलनाडु में 10वीं सदी में चोल साम्राज्य के दौरान घड़े में मतपत्र डालकर मतदान की यह प्रथा प्रचलित थी। उन्होंने कहा कि साफ और सही मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव है और राज्य में एसआईआर को सफल बनाने में मदद करने वाले सभी अधिकारियों, विशेषकर ब्लॉक स्तर के मतदान अधिकारी (बीएलओ) को उन्होंने बधाई दी।

उन्होंने कहा, ''आगामी चुनाव में युवाओं पर विशेष ध्यान रहेगा। कॉलेजों में चुनाव प्रचार के लिए 3,060 सहायक मतदान पंजीकरण अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। तमिलनाडु में 18-19 साल के 12.5 लाख से अधिक युवा मतदाता होंगे और 20-29 आयु वर्ग में एक करोड़ युवा मतदाता हैं।''

वरिष्ठ नागरिकों और शारीरिक रूप से सक्षम लोगों के लिए मतदान केंद्रों की व्यवस्था भूतल पर की जाएगी। तमिलनाडु में महिलाओं द्वारा संचालित 258 मतदान केंद्र, दिव्यांग-अनुकूलता वाले 47 मतदान केंद्र और 265 मॉडल मतदान केंद्र होंगे। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक मतदान केंद्र में 1,200 मतदाता वोट डाल सकेंगे। मतदाता पर्ची आमंत्रण जैसी होगी, जिसमें लोगों को मतदान के लिए घर से निकलने को कहा जाएगा और इसके दाहिनी ओर बूथ नंबर स्पष्ट रूप से लिखा होगा।''

कुमार ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु में प्रलोभन-मुक्त, पारदर्शी, निष्पक्ष चुनाव कराने के हमारे वादे को हमारे तंत्र द्वारा पूरे देश और दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जाएगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग को आश्वस्त किया है कि चुनाव प्रलोभन-मुक्त होंगे। चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन दाखिल करने की अनुमति के सवाल पर उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार, नामांकन समय पर व्यक्तिगत रूप से जमा करना आवश्यक है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों के रूप में कार्य करने वाले जिलाधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों और राज्य में प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, उप निर्चाचन आयुक्त संजय कुमार के अलावा तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनाइक भी इसमें शामिल हुईं।

जयललिता के कभी विश्वासपात्र रहे पनीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक समय अन्नाद्रमुक की दिवंगत नेता जयललिता के विश्वासपात्र रहे ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। पनीरसेल्वम तीन बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2022 में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित किए जाने से पहले वह पार्टी के शीर्ष पदों पर भी रह चुके थे।

अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल होने के लिए तीन साल के असफल प्रयास के बाद पनीरसेल्वम ने विरोधी पार्टी द्रमुक का दामन थाम लिया। अन्नाद्रमुक ने 'ओपीएस' के नाम से प्रसिद्ध पनीरसेल्वम के द्रमुक में शामिल होने पर सवाल किया, क्या आपको शर्म नहीं आती? ओपीएस (75) मुक्कुलाथोर समुदाय का प्रभावशाली चेहरा हैं और वह अन्नाद्रमुक के कोषाध्यक्ष और पार्टी समन्वयक का शीर्ष पद भी संभाल चुके हैं। वह अपने बेटे पी. रवींद्रनाथ कुमार और समर्थकों के साथ द्रमुक में शामिल हो गए। ओपीएस के द्रमुक में शामिल होने से राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी को दक्षिणी जिलों में मजबूती मिलने की उम्मीद है, जहां मुक्कुलाथोर समुदाय का प्रभाव माना जाता है। विधायक पनीरसेल्वम अपने खेमे में आखिरी व्यक्ति हैं जो किसी पार्टी में शामिल हुए हैं। उनके प्रमुख समर्थक वी वैथिलिंगम और पीएच मनोज पांडियन पहले ही द्रमुक में शामिल हो चुके हैं। जेसीडी प्रभाकर समेत अन्य लोग टीवीके में शामिल हो गए हैं। वहीं राज्यसभा सदस्य आर धरमार ने अन्नाद्रमुक प्रमुख ई के पलानीस्वामी का नेतृत्व स्वीकार कर लिया है। अपने निष्कासन के विरोध में ओपीएस द्वारा शुरू की गई कानूनी लड़ाई, जिसमें उन्होंने पलानीस्वामी (ईपीएस) के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाया था, सफल नहीं हुई। ईपीएस हाल के वर्षों में अक्सर ओपीएस को 'गद्दार' कहते थे। ईपीएस अक्सर आरोप लगाते थे कि ओपीएस अपने कार्यों से द्रमुक का समर्थन करते हैं। पिछले महीने ओपीएस और मंत्री पीके शेखर बाबू के बीच हुई बैठक के बाद से अटकलें तेज हो गई थीं कि पूर्व मुख्यमंत्री द्रमुक में शामिल होंगे। अटकलों को और हवा देते हुए, ओपीएस समर्थक पी अय्यप्पन ने कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास जताया था कि स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार फिर से चुनी जाएगी।

ओपीएस ने स्वयं 20 फरवरी को कहा था कि द्रमुक को बढ़त हासिल है और वह विधानसभा चुनाव जीतेगी। आज, अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता शेखर बाबू, ओपीएस के साथ द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवलयम' गए। वर्ष 1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना के तुरंत बाद से ही पार्टी कार्यकर्ता रहे पनीरसेल्वम तीन बार मुख्यमंत्री (2001-02, 2014-15 और 2016-17) रहे और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाली सरकारों में वित्त, राजस्व और लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला। पांच बार के विधायक पनीरसेल्वम 1996 में दक्षिणी तमिलनाडु के थेनी जिले में पेरियाकुलम नगरपालिका अध्यक्ष बने थे। थेनी में चाय की एक दुकान से अपना जीवन शुरू करने वाले पनीरसेल्वम 2001 में पहली बार मुख्यमंत्री बने, जब जयललिता को तांसी भूमि सौदा मामले में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद, 2014 में जयललिता को आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री बने। 2016 में जयललिता के निधन के बाद वह एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। फरवरी 2017 में उन्होंने यह आरोप लगाते हुए 'धर्मयुद्ध' अभियान शुरू किया कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। अंततः उन्होंने पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले गुट के साथ हाथ मिला लिया और दोनों ने मिलकर जयललिता की करीबी वीके शशिकला और उनके परिवार को पार्टी से बाहर कर दिया।

मारुति सुजुकी ने तमिलनाडु में सात स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र शुरू किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने तमिलनाडु सरकार के साथ साझेदारी कर राज्य में सात स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र शुरू किए हैं। यह पहल तमिलनाडु सरकार के परिवहन विभाग और कंपनी के बीच हुए समझौते का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत पूरे राज्य में कुल दस वाहन परीक्षण केंद्रों को स्वचालित बनाया जाना था। कंपनी ने कहा कि इन नए केंद्रों के आरंभ होने के साथ ही राज्य के सभी 10 वाहन परीक्षण केंद्र अब पूर्णतः स्वचालित हो गए हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया के कंपनी मामलों के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने एक बयान में कहा, ये स्वचालित परीक्षण केंद्र उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों और उन्नत जांच व्यवस्था से सुसज्जित हैं। इनके माध्यम से वाहन चलाने की परीक्षा व्यापक, शीघ्र और पारदर्शी तरीके से होती है। इसमें किसी व्यक्ति की पक्षपातपूर्ण भूमिका नहीं रहती और केवल सही ढंग से वाहन चलाने वाले योग्य लोगों को ही वाहन चलाने का लाइसेंस दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2024 में 1.77 लाख सड़क दुर्घटना में मौतें हुईं। भारती ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और पूरे देश में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए अनुशासित ढंग से वाहन चलाने की आदतों को बढ़ावा देना और चालकों की कड़ी जांच करना अत्यंत आवश्यक है।

ये परीक्षण केंद्र कोयंबटूर (मध्य), तिरुवन्नामलाई, कृष्णागिरी, मदुरै (उत्तर), शिवगंगई, डिंडीगुल, तिरुचिरापल्ली (पश्चिम), तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और मार्तंडम में बनाए गए। इससे दोपहिया और हल्के मोटर वाहनों के लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों के लिए चीजें सुगम होंगी।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में निर्मला वुमेन कॉलेज की छात्रों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। यहां तमिलनाडु सरकार की 'वर्ल्ड इन योर हैंड्स' स्कीम के तहत लैपटॉप वितरित किए गए।

बैंक ऑफ बड़ौदा चार मार्च को हरित बॉन्ड के जरिये जुटाएगा 10,000 करोड़ रुपये

चेन्नई/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा हरित अवसंरचना बॉन्ड जारी कर 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रहा है। बाजार सूत्रों ने बताया कि आधार निर्गम आकार 5,000 करोड़ रुपये है। इसमें अधिक बोली आने पर 5,000 करोड़ रुपये तक की बोली रखने (ग्रीन शू) का विकल्प शामिल होगा जिससे कुल निर्गम आकार 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

इन बॉन्ड की अवधि सात वर्ष होगी। यह पांच मार्च 2033 को परिपक्व होंगे। भुगतान एवं आवंटन की तिथि पांच मार्च 2026 निर्धारित है। बॉन्ड निर्गम के लिए बोली चार मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 12:00 बजे के बीच एनएसई के इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रोवाइडर (ईबीपी) मंच पर आयोजित की जाएगी। बॉन्ड पर वार्षिक ब्याज भुगतान होगा और इन्हें बंद बोली प्रक्रिया के माध्यम से समान प्रतिफल आधार पर आवंटित किया जाएगा।

आवेदन की न्यूनतम राशि एक लाख रुपये है और उसके बाद एक लाख रुपये के गुणकों में बोली लगायी जा सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेंगे

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार यानी एक मार्च को तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेंगे, जहां वह सड़क, रेल और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन या आधारशिला रखेंगे और साथ ही तीन नए आकाशवाणी एफएम रिले ट्रांसमीटर का लोकार्पण करेंगे। राजस्थान और गुजरात के दौरे के बाद मोदी शनिवार रात को चेन्नई पहुंचेंगे और अगली सुबह कार्यक्रम शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मोदी रविवार को सुबह लगभग पौने 12 बजे पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे। वह इस अवसर पर एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद वह तमिलनाडु के मदुरै जाएंगे, जहां वह अपराह्न लगभग तीन बजे 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे। वह एक सभा को भी संबोधित करेंगे। मोदी शाम करीब चार बजे मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। पुडुचेरी दौरे में मोदी

केंद्र शासित प्रदेश में बुनियादी ढांचे, शहरी सेवाओं, औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे या उनकी आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे, जिनमें पीएम ई-बस सेवा पहल' के तहत ई-बस का परिचालन, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र, सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन' (सीआईटीआईआईएस) योजना के तहत, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए निर्मित आवास शामिल हैं। इसके साथ ही वह पुडुचेरी सरकार की अपशिष्ट जल शोधन और जलापूर्ति क्षेत्र की महत्वपूर्ण योजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

मोदी क्षेत्र में उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कराईकल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और गंगा छात्रावास का उद्घाटन करेंगे। वह जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र के आधुनिकीकरण तथा पांडिचेरी विश्वविद्यालय के नए भवनों एवं छात्रावासों का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 750 एकड़ में फैले करासूर-सेदरापेट औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस परिसर में एक फार्मा पार्क, टेक्सटाइल पार्क, आईटी पार्क के साथ-साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास का अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और जेआईपीएमईआर की उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री पुडुचेरी क्षेत्र के निवासियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने तथा जलापूर्ति प्रणालियों में सुधार के उद्देश्य से विभिन्न जलापूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत 41 ग्रामीण सड़कों के निर्माण, पुडुचेरी में हेरिटेज टाउन (विरासत शहर) के विकास और मिष्टी (मैंग्रोव इनिशिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटैट्स एंड टैंजिबल इनकम) योजना के तहत मैंग्रोव संरक्षण कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर में अंगदान करने वाली मस्तिष्क-मृत युवती वेनपा के घर जाकर उसके माता-पिता कोयंबटूर नगर निगम नगर नियोजन समिति के अध्यक्ष सोमू (ए) संतोष और सुकन्या से मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उन्होंने युवती के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अंगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आवास एवं शहरी विकास, निषेध एवं उत्पाद शुल्क मंत्री एस. मुथुसामी, तमिलनाडु विकास एवं सूचना मंत्री एम.पी. समिनाथन, विद्यालय शिक्षा मंत्री डॉ. अंबिल महेश पोय्यामोझी और विधायक वी. सेंथिलबालाजी उपस्थित थे।

गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय
भारत सरकार
Serious Fraud Investigation Office
Government of India

SFIO

B-3 Wing, 2nd Floor
Pt. Deendayal Antyodaya Bhawan
CGO Complex, Lodi Road
New Delhi-110003

बी-3 विंग, द्वितीय तल
पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन
केंद्रीय कार्यालय परिसर, लोदी रोड
नई दिल्ली-110003

सं./क्रमांक : SFIO/ADMN-II/BILLS/0034/2015-ADMN-II-Part(1)(6528)/I/

इच्छुक और पात्र उम्मीदवारों से इस कार्यालय में निम्नलिखित रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक अनुबंध सहित) के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: -

क्रम संख्या	पदनाम	रिक्तियों की संभावित संख्या	7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर	तैनाती का संभावित स्थान
01	संयुक्त निदेशक (पूंजी बाजार)	01	स्तर-12	चेन्नई / दिल्ली / हैदराबाद / कोलकाता / मुंबई
02	उप निदेशक (कॉरपोरेट कानून)	12	स्तर-11	
03	उप निदेशक (जांच)	04		
04	प्रधान निजी सचिव	01		
05	वरिष्ठ सहायक निदेशक (बैंकिंग)	01	स्तर-10	
06	वरिष्ठ सहायक निदेशक (पूंजी बाजार)	01		
07	वरिष्ठ सहायक निदेशक (सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क)	01		
08	वरिष्ठ सहायक निदेशक (फॉरेंसिक ऑडिट)	01		
09	वरिष्ठ सहायक निदेशक (जांच)	07		
10	वरिष्ठ सहायक निदेशक (कराधान)	01		
11	वरिष्ठ अभियोजक	03		
12	सहायक निदेशक (जांच)	12	स्तर-8	
	कुल रिक्तियां	45		

2. ये पद प्रतिनियुक्ति (आईएसटीसी) के आधार पर भरे जाएंगे, निजी उम्मीदवारों को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।
3. विज्ञापित पदों की संख्या संभावित है और प्रशासनिक कारणों से इसमें वृद्धि या कमी हो सकती है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार अपने आवेदन निर्धारित प्रारूप में, सभी प्रकार से पूर्ण कर, उचित माध्यम से निम्न पते पर भेज सकते हैं -

निदेशक, गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003. आवेदन इस विज्ञापन के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर स्पीड पोस्ट द्वारा भेजा जाना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए www.sfio.nic.in / www.mca.gov.in देखें।

4. प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग आवेदन निर्धारित प्रारूप में भेजा जा सकता है। आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यताओं की स्वप्रमाणित प्रतियां, पिछले 5 वर्षों की अद्यतन एसीआर/एपीएआर (प्रत्येक पृष्ठ पर अवर सचिव या उससे उच्च स्तर के अधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित), सतर्कता स्वीकृति प्रमाणपत्र, सत्यनिष्ठा प्रमाणपत्र तथा पिछले 10 वर्षों में लगाए गए किसी भी प्रमुख/लघु दंड का प्रमाणपत्र संलग्न होना चाहिए।

कैडर नियंत्रण प्राधिकरण यह भी प्रमाणित कर सकता है कि अधिकारी द्वारा प्रस्तुत विवरणों का सत्यापन कर उन्हें सही पाया गया है।

5. चयनित उम्मीदवारों को मूल वेतन का 20 प्रतिशत विशेष सुरक्षा भत्ता भी देय होगा। एसएसए के साथ कोई प्रतिनियुक्ति भत्ता देय नहीं होगा।

6. जिन आवेदनों के साथ एसीआर/एपीएआर, सतर्कता स्वीकृति, शैक्षणिक योग्यता की स्वप्रमाणित प्रतियां आदि संलग्न नहीं होंगी अथवा जो आवेदन अपूर्ण पाए जाएंगे, उन्हें विचारार्थ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ सहायक निदेशक (प्रशासन)

CBC 07102/11/0017/2526

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-पाक सीमा के पास हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में उड़ान भरी। भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने 'आलिव ग्रीन' रंग की वर्दी और हेलमेट पहन 'प्रचंड' में बतौर 'सह-पायलट' उड़ान भरी। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा, प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का प्रबल प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर के प्रसिद्ध किले के ऊपर से उड़ान भर रही हूं। मैं देश के वीर बहादुर सैनिकों को अत्यंत गर्व के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। आप लोगों को मेरा प्यार भरा नमस्कार... जय हिंद, जय भारत। इस 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर ने जैसलमेर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कैप्टन ने राष्ट्रपति को जानकारी दी। राष्ट्रपति ने उड़ान भरने से पहले कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिभावन किया। इस लगभग 25 मिनट की उड़ान में 'प्रचंड' पोकरण फायरिंग रेंज के ऊपर से उड़ा जहां वायुसेना आज शाम 'वायु शक्ति' अभ्यास करेगी। राष्ट्रपति मूर्मू भी इस अभ्यास को देखेंगी। इससे पहले वायुसेना के चीफ एयर मार्शल ए.पी. सिंह ने वायुसेना स्टेशन पर राष्ट्रपति की अगुवाई की। इसके साथ मुर्मू लड़ाकू हेलीकॉप्टर में बतौर 'सह-पायलट' उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में हरियाणा के अंबाला के वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी। अप्रैल 2023 में मूर्मू ने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी। लगभग 30 मिनट की उड़ान में उन्होंने हिमालय के साथ ब्रह्मपुत्र और तेजपुर घाटी को आसमान से देखा।

एलसीएच 'प्रचंड' भारत का पहला देश में ही डिजाइन और बनाया गया लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। इसमें कई ऐसी खूबियां है जो भारतीय वायुसेना की क्षमता को और मजबूत बनाते हैं।

निजी बस संचालकों की हड़ताल खत्म, 35 हजार बसें सड़कों पर लौटेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में निजी बस संचालकों ने कई दिनों से जारी अपनी हड़ताल बृहस्पतिवार देर रात वापस ले ली, जिससे प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिली है। बस संचालकों ने परिवहन विभाग और जयपुर जिला प्रशासन के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया। इसके साथ ही राज्य में हजारों निजी बसों के दोबारा संचालन का रास्ता साफ हो गया है। परिवहन मुख्यालय में हुई बैठक में जयपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र सोनी, परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा और 'ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन' के प्रतिनिधि शामिल हुए। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान उनकी कुछ मांगों पर सहमति बनी है। साथ ही आश्वासन दिया गया है कि शेष मांगों पर विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद विचार किया जाएगा। समझौते के बाद निजी बस संचालकों ने हड़ताल वापस लेने और बसों का संचालन फिर से शुरू करने का फैसला किया। हड़ताल के कारण पूरे राज्य में करीब 35,000 निजी बसों का संचालन ठप था।

तीन दिन रही इस हड़ताल का असर रोजाना आवागमन करने वाले लोगों के साथ-साथ खाटू श्यामजी मंदिर में आयोजित किये जा रहे मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं पर भी पड़ा।

इसके अलावा, होली पर अपने गांव-घर जाने की योजना बना रहे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। निजी बस संचालकों का दावा है कि राजस्थान आने-जाने वाली बसों से रोजाना लगभग 15 लाख यात्री सफर करते हैं जिनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और असम के यात्री शामिल हैं।

युवा कांग्रेस ने अजमेर में प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के खिलाफ पोस्टर लगाए

जयपुर। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित रैली से एक दिन पहले शुक्रवार को अजमेर में उनके दौरे के खिलाफ बैनर और होर्डिंग लगाए। अजमेर शहर के अलग-अलग हिस्सों में मोदी वापस जाओ, एप्स्टीन फाइल्स पर जवाब दो और युवाओं के लिए रोजगार की मांग जैसे नारे लिखे पोस्टर लगाए गए। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने कहा कि इस सांकेतिक विरोध का मकसद युवाओं को रोजगार देने में केंद्र सरकार की नाकामी को सामने लाना है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर नाकाम रही है। हमने इस चिंता को उठाने के लिए अपना विरोध दर्ज कराया है। इस बीच, प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर मोहित मल्होत्रा और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया।

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर छिड़ा विवाद, यादव समाज ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बानसूर (कोटपूतली-बहरोड़)। फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर यादव समाज ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। गुरुवार को बानसूर में यादव समाज के प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध जनों ने एकत्रित होकर फिल्म के विरोध में प्रदर्शन किया और उपखंड अधिकारी (ङउ्च) अनुराग हरित को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोपज्ञापन के माध्यम से समाज के लोगों ने फिल्म की कहानी पर गंभीर आपत्ति जताई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि फिल्म में लड़की को यादव जाति का और लड़के को मुस्लिम धर्म का दिखाया गया है।

समाज के प्रतिनिधियों का तर्क है कि इस तरह के चित्रण से न केवल यादव समाज, बल्कि पूरे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि इस तरह की फिल्में समाज में वैमनस्य और आक्रोश को बढ़ावा दे सकती हैं। पूर्ण प्रतिबंध की मांगयादव समाज बानसूर के सदस्यों ने प्रशासन के माध्यम से सरकार से मांग की है कि इस फिल्म के प्रदर्शन और प्रचार-प्रसार पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए फिल्म को बंद नहीं किया गया, तो समाज आगे की रणनीति तय कर बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में समाज के युवा और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि उनकी मांगों को उचित माध्यम से उच्च स्तर तक पहुँचा दिया जाएगा।

ट्रेलर से टकराई स्लीपर बस, 6 यात्रियों की मौत

बालोतरा। जिले के सरवड़ी गांव के पास नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच हुई यह भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर साइड वाला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसे के बाद बस की खिड़कियों और क्षतिग्रस्त हिस्से से यात्रियों के शव लटके दिखाई दिए, जिससे मौके पर मौजूद लोगों का दिल दहल गया।

हादसे में 6 यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बाधित हो गया।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हादसे के सही कारणों (तेज रफ्तार या ओवरटेकिंग) की जांच की जा रही है।

कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस विधायकों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के एक उत्तर पर असंतोष जताते हुए हंगामा किया जिसके फलस्वरूप सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, शाम को कांग्रेस के विधायक श्रवण कुमार के बोलने की मंजूरी रद्द करने के मामले पर जमकर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ी और कांग्रेस के विधायकों ने कार्यवाही का बहिष्कार किया। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए सीकर जिले में खेल मैदान से जुड़ा एक मुद्दा उठाया। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री दिलावर ने मामले में सरकार का पक्ष रखा।

उन्होंने कहा,आखिर में उसी जमीन पर आपकी क्यों निगाह है? क्या आपके मिलने वाले (आपके परिचित) उस जमीन पर कब्जा तो नहीं करना चाहते? पारीक ने शिक्षा मंत्री की टिप्पणी पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा,मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि शिक्षा मंत्री मानसिक रूप से भ्रमित हैं। मानसिक रूप से भ्रमित नहीं होने वाला व्यक्ति यदि इस तरह का जवाब देता है तो मुझे बहुत खेद है।

इसके बाद पारीक एवं विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने शिक्षा मंत्री के उत्तर पर असंतोष जताया। उन्होंने आसन के समीप आकर शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। इस पर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। सदन के दोबारा बैठने पर अन्य विधायी कार्य हुए।

वहीं शाम में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार के बोलने की मंजूरी रद्द किए जाने को लेकर विपक्षी दल के विधायकों ने हंगामा किया। भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को पुन: आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। दरअसल सभापति ने विधायक श्रवण कुमार को अनुदान मांगों पर बोलने की अनुमति दी। इसी बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सदन में आए और उन्हें बोलने से रोकते हुए कहा कि मैंने आपको बोलने से पहले ही मना दिया था। अध्यक्ष ने कहा कि यह उनके आदेशों की अवहेलना है जिसे वह सहन नहीं करेंगे।

बाद में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने व्यवस्था के प्रश्न के तहत इस मुद्दे को उठाया और विधायक श्रवण कुमार के बोलने की अनुमति वापस लेने को गलत बताते हुए इसे विधायक का अपमान बताया। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई।

इसे लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोक झोंक हुई। कांग्रेस के विधायकों ने नारेबाजी की जिसके बीच सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। बाद में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर नाराज कांग्रेस विधायकों ने कार्यवाही का बहिष्कार किया।

उद्यमी निवेश कर राज्य के विकास में बनें सक्रिय भागीदार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्यों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार द्वारा नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे निवेशक आसानी से अपना उद्यम यहां स्थापित कर सके। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान में निवेश कर राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बने तथा आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के विजन को साकार करें।

शर्मा शुक्रवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज सीमाओं से परे भी नवाचार और साझेदारी में आगे बढ़ रहा है। आर्मेनिया गणराज्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह समिट इस पहल का सुखद परिणाम है। इस समिट के माध्यम से नवप्रवर्तक, निवेशक, नीति-निर्माता और उद्यमी जुड़कर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और सीमाओं से परे परस्पर सहयोग का निर्माण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज इनोवेशन तथा उद्यमशीलता के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां छू रहा है। उनका मानना है 'भारत के लिए नवाचार करें और भारत से नवाचार करें। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए थे, जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान एआई, डीपटेक और उभरती प्रौद्योगिकियों से लेकर मशीन लर्निंग, डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार द्वारा पिछले दो सालों में आई-स्टार्ट के माध्यम से प्रदेश में 3 हजार 450 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एनिमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अटल इनोवेशन स्टूडियो से स्मार्ट गवर्नेंस तथा बेहतर सेवा वितरण को प्रोत्साहन मिला है। वहीं, स्टार्टअप हब्स को टिंकरिंग लैब, डीप-टेक लैब्स, डेटा एवं एआई लैब्स से लैस करने के लिए बजट 2026-27 में बजट आवंटित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश सतत औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026 एवं राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को कैबिनेट में अनुमोदन किया गया है। साथ ही, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के अंतर्गत पात्र उद्यमों को प्रीमियम में 75 प्रतिशत की छूट की अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और वन स्टॉप शॉप के ऑनलाइन पोर्टल राजनिवेश का एकीकरण किया गया है। वहीं, राजनिवेश पोर्टल पर 49 हजार करोड़ रुपये के 2 हजार से अधिक प्रस्तावों के लिए अनुमति जारी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं की तरफ आशा से देख रही है। हमारी सरकार भी युवाओं के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। हमने राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की भी शुरूआत की गई है। जिससे युवा रोजगार प्रदाता भी बन सके। इस योजना के तहत राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यमिता की ओर प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 33 जिलों में स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित किए गए हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आर्मेनिया एवं राजस्थान के विभिन्न स्टार्टअप फाउण्डर्स से संवाद भी किया।

जयपुर में भू-अभिलेख निरीक्षक 3.80 लाख रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को जयपुर में भू-अभिलेख निरीक्षक को 3.80 लाख रूपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जयपुर पश्चिम सर्कल के भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने एक बयान में बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी पुश्तैनी जमीन के तकासमा (पैतृक संपत्ति में वैध हिस्सेदारों के नाम चढ़ाने की प्रक्रिया) किये जाने की एवज में आरोपी द्वारा पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इसके अनुसार शिकायत का सत्यापन करवाने पर दौरान आरोपी ने परिवादी से 20 हजार रुपए लिए और वह चार लाख रूपये एक लाख रूपये स्वयं के लिये तथा तीन लाख रूपये उपखण्ड अधिकारी जयपुर - प्रथम के लिये लेने हेतु सहमत हो गया।

पिछले 12 वर्षों में देश ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व प्रगति की है : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा, एक ओर भारत की सामरिक शक्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ है, तो दूसरी ओर रक्षा साजो-सामान के स्वदेशी निर्माण की क्षमता भी तेजी से बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री शेखावत आज दिल्ली से जोधपुर पहुंचे। निवास स्थान पर गणमान्य लोगों से मुलाकात की। शेखावत ने कहा कि एक समय ऐसा था जब भारत रक्षा क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब देश निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, तेजस लड़ाकू विमान

से लेकर मिसाइल और बुलेटप्रूफ जैकेट तक, आज सब कुछ भारत में ही निर्मित हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति की मौजूदगी में होने वाला वायुसेना का प्रदर्शन देश की उच्चतम सैन्य क्षमता का परिचायक होगा। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में इस तरह का आयोजन होने से वहां रहने वाले लोगों का भारत की ताकत और क्षमता पर भरोसा और मजबूत होगा। आतंकवाद के मुद्दे पर शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है और यह नीति वैश्विक स्तर पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि आज वे देश भी आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपना रहे हैं।

हाड़ौती अंचल के लिए जीवनदायिनी साबित होगी परवन वृहद परियोजना : रावत

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को विधान सभा में कहा कि परवन वृहद परियोजना कोटा, झालावाड़ और बारां जिलों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। हाड़ौती अंचल के लिए यह जीवनदायिनी बनेगी। इसके कार्यों को गुणवत्ता से पूरा कराने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में परियोजना में अनियमितताएं सामने आई, जिनसे कार्यों में देरी हुई है। रावत ने सदन में आश्वस्त किया है कि परियोजना की अनियमितताओं के प्रकरणों का परीक्षण कराकर कार्यवाही की जाएगी।

यौन शोषण मामले में अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज/वाराणसी/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी और कहा कि निर्णय आने तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने राज्य सरकार एवं मुकदमा के वादी आशुतोष पांडेय को इस मामले में अपने जवाब दाखिल करने को कहा।

अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया जिसके मार्च के तीसरे सप्ताह में सुनाए जाने की संभावना है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले की जांच में पुलिस का सहयोग करेंगे।

झारखंड: रांची में जंगली हाथी घुसा, पांच घंटे बाद जंगल लौटा

रांची/भाषा। झारखंड की राजधानी रांची में शुक्रवार सुबह घुस आया एक जंगली हाथी पांच घंटे तक दहशत फैलाने के बाद जंगल में लौट गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हाथी बिरसा चौक और रांची हवाई अड्डे के आसपास घूमता रहा और वन विभाग की एक टीम ने सुबह करीब 10 बजे सफलतापूर्वक उसे शहर से बाहर जंगल में भेज दिया। रांची के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हाथी संभवत: अपने मार्ग से भटक गया और रांची में प्रवेश कर गया। चूंकि बच्चों के स्कूल का समय था, इसलिए हमने सभी सुरक्षा उपायों का पालन किया।'' वर्मा ने बताया कि अपराह्न करीब ढाई बजे हाथी रांची शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर एक वन क्षेत्र में था। उन्होंने कहा, ''इससे शहर में कोई नुकसान नहीं हुआ।'' डीएफओ ने कहा कि हाथी अक्सर हलहू वन क्षेत्र से धुर्वा बांध तक आ जाते हैं।

ओडिशा: दो दिन से लापता नाबालिग लड़की मृत मिली

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के अंगुल जिले में पिछले दो दिन से लापता 12 वर्षीय लड़की शुक्रवार को एक झाड़ी के नीचे मृत मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना एनटीपीसी (राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड) पुलिस थाना क्षेत्र में दर्ज की गई। लड़की एक स्थानीय स्कूल में कक्षा आठ में पढ़ती थी।

अंगुल के पुलिस अधीक्षक राहुल जैन ने बताया, लड़की के पिता ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। आज सुबह हमने लड़की का शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि श्वान दस्ते के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम के सदस्य जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मौत के कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

जनप्रतिनिधियों को कर्तव्यों के निर्वहन में पारदर्शिता, जवाबदेही बनानी चाहिए : साहा

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत हो सकता है जब जनप्रतिनिधि अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखें और जनता के प्रति जवाबदेह रहें। साहा ने जन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही पर एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सभी स्तरों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से निष्ठा के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को आम नागरिकों की बात सुननी चाहिए और उनसे विनम्रता एवं सम्मानपूर्वक बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारियां संभालने वालों के लिए विनम्र रहना, आसानी से उपलब्ध रहना और सकारात्मक दृष्टिकोण रखना जरूरी है।

त्रिपुरा में अपनी तरह का यह पहला सम्मेलन'कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन' (सीपीए) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ और इसमें शासन के विभिन्न स्तरों से जन प्रतिनिधि शामिल हुए। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, त्रिपुरा के राज्यपाल एन इंद्रसेना रेड्डी एवं राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी के अलावा विधायक, मंत्री और जिला परिषदों, नगरपालिकाओं तथा नगर पंचायतों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने 'नए त्रिपुरा' के निर्माण के दृष्टिकोण को दोहराते हुए सार्वजनिक प्रतिनिधियों से दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर राज्य के विकास में मिलकर योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, समर्पण और जवाबदेही मार्गदर्शक सिद्धांत बने रहने चाहिए ताकि भावी पीढ़ियां आज के नेताओं को सम्मान के साथ याद करें।

एनसीईआरटी ने सलाह जारी की: प्रतिबंधित पाठ्यपुस्तक लौटाएं, विवादित पाठ संबंधी ऑनलाइन सामग्री हटाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने शुक्रवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि जिन लोगों के पास 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के अध्याय वाली आठवीं कक्षा की प्रतिबंधित पाठ्यपुस्तकें हैं, वे उन्हें जल्द से जल्द लौटाएं। एनसीईआरटी ने कड़े शब्दों में जारी परामर्श में यह भी आह्वान किया है कि सोशल मीडिया पर साझा की गई प्रतिबंधित पाठ्यपुस्तकों के विवादास्पद अध्याय से जुड़ी सामग्री को तत्काल हटाया जाए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को बृहस्पतिवार को पत्र लिखकर उनसे एनसीईआरटी की विवादास्पद पाठ्यपुस्तक का डिजिटल मंचों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए प्रसार रोकने को कहा था। परामर्श में कहा गया है, ''जिस किसी व्यक्ति या संगठन के पास एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' है, वह इसे (एनसीईआरटी) मुख्यालय में लौटा सकता है। 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय से संबंधित कोई भी सामग्री यदि सोशल मीडिया या किसी भी डिजिटल मंच पर साझा की गई है तो उसे यथाशीघ्र हटाया जाए।''

रंगभरी एकादशी से वृन्दावन के मंदिरों में होली उत्सव की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। रंगभरी एकादशी से शुक्रवार को वृन्दावन के मंदिरों में होली उत्सव की शुरुआत हो गई, जहां प्रमुख मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं और पूरा शहर पारंपरिक 'रसिया' भजनों से गूंज उठा।

बांके बिहारी मंदिर में पुजारियों ने कहा कि उत्सव की शुरुआत भगवान बांके बिहारी द्वारा प्रतीकात्मक रूप से भक्तों के साथ होली खेलने के साथ हुई। मंदिर के सेवायत (पुजारी) ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामी ने कहा कि अनुष्ठान की शुरुआत ठाकुर जी द्वारा राधा रानी पर केसर, गुलाब जल, टेसू का अर्क और पिचकारी से इत्र से भरा पानी छिड़कने से हुई। गोस्वामी ने इस त्योहार की शुरुआत द्वापर युग से बताते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि राधा ने सबसे पहले भगवान कृष्ण के गालों पर रंग लगाया था, जो ब्रज में होली की परंपराओं की शुरुआत का प्रतीक था। एकादशी अनुष्ठान के बाद, भगवान को प्रसाद के रूप में गुजिया और जलेबी अर्पित की गई। उन्होंने कहा, ''बांके बिहारी ने इस अवसर के लिए सफेद पोशाक पहनी और धुलंडी तक ऐसा करना जारी रखेंगे, जब वह गुलाबी वस्त्र पहनेंगे। सुबह और शाम, दोनों पहर के दर्शनों के दौरान होली उत्सव मनाया जाएगा।''

इतिहासकार प्रह्लाद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि ब्रज में 'होली रसिया' गाने की परंपरा का एक लंबा इतिहास है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों कवियों द्वारा रचनाएं लिखी गई हैं। सुबह से ही 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे भजन न सिर्फ मंदिरों में बल्कि वृन्दावन की तंग गलियों में भी गूंजते रहे। बांके बिहारी मंदिर के एक अन्य सेवायत अनंत गोस्वामी ने कहा कि स्वामी हरिदास भगवान की पूजा करते समय भक्ति छंद गाते थे और यह प्रथा आज भी जारी है।

भक्तों ने भगवान के साथ फूलों की होली भी खेली, जबकि आने वाले दिनों में लड्डू होली और जलेबी होली का कार्यक्रम है। मंदिर के सेवायत शशांक गोस्वामी ने कहा कि भारी भीड़ के बावजूद भक्तों ने अपने प्रिय देवता के साथ होली खेलते हुए जबरदस्त उत्साह दिखाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से सुधारों पर अपना एजेंडा पेश करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुधारों को लेकर महत्वाकांक्षी एजेंडा सामने रखते हुए अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों से कहा है कि वे अपने-अपने मंत्रालयों में आने वाले वर्षों में किए जाने वाले सुधारात्मक कदमों पर विस्तृत नोट तैयार करें।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि यह कवायद सरकार के सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' एजेंडा का हिस्सा है जिसके तहत प्रक्रियाओं को सरल बनाना, कारोबारी सुगमता में सुधार करना और प्रौद्योगिकी-आधारित शासन का दायरा बढ़ाना लक्ष्य है। मंत्रियों से कहा गया है कि वे यह नोट स्वयं तैयार करें और केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में उसे पेश कर अपने मंत्रालय की गतिविधियों और सुधार दृष्टिकोण की जानकारी दें। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडलीय सचिवालय ने एक निर्धारित प्रारूप प्रसारित किया है, जिसमें हरेक मंत्रालय को पिछले कुछ वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों के साथ भविष्य की सुधार पहलों का विवरण देना होगा। इस प्रारूप में यह स्पष्ट करना होगा कि सुधार कब लागू किए गए या कब प्रस्तावित हैं और उन सुधारों से क्या परिणाम अपेक्षित हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि हरेक मंत्रालय अपने सुधार एजेंडे को प्राथमिकता दे ताकि उसके परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दें। यह समूची प्रक्रिया वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की व्यापक रूपरेखा का हिस्सा मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उनकी सरकार की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से आम नागरिकों को व्यापक लाभ मिल रहा है। अगले दशक की शीर्ष प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमारी दिशा स्पष्ट है, इसे किसी निश्चित संख्या तक सीमित नहीं किया जा सकता।

धर्मांतरण निरोधक कानूनों की समीक्षा करेगी बिहार सरकार : विधानसभा अध्यक्ष

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने शुक्रवार को सदन में कहा कि राज्य सरकार अन्य राज्यों में लागू धर्मांतरण निरोधक कानूनों की समीक्षा करेगी और यदि आश्यकता महसूस हुई तो बिहार में भी ऐसा कानून लागू किया जाएगा। अध्यक्ष ने यह घोषणा विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के 18 विधायकों द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान की। उन्होंने कहा, ''बिहार सरकार निश्चित रूप से अन्य राज्यों में लागू धर्मांतरण विरोधी कानूनों की समीक्षा करेगी। यदि आवश्यकता पड़ी तो वही कानून यहां भी लागू किया जाएगा।''

सदन में मुद्दा उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात सहित कई राज्यों ने 'अवैध धर्मांतरण निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024' पारित कर उसे लागू किया है। उन्होंने कहा कि इस कानून में प्रावधान है कि यदि धर्मांतरण के लिए किसी व्यक्ति को जीवन या संपत्ति का भय दिखाता है, बल प्रयोग किया जाता है या विवाह के जरिये अथवा विवाह का झांसा देकर धर्मांतरण कराया जाता है तो कड़ी सजा दी जाएगी। विधायक ने आरोप लगाया कि बिहार के कई जिलों में अंतरधार्मिक विवाह को धर्मांतरण का माध्यम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 से 20 वर्ष की लड़कियों को प्रेम के नाम पर निशाना बनाया जाता है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईसाई धर्म के प्रमुख धड़े सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के शीर्ष नेता मोरान मोर इग्नाशियस अफ्रेम द्वितीय ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उनके साथ कई मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एंटीओक और ऑल द ईस्ट के प्रमुख तथा यूनिवर्सल सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के सर्वोच्च प्रमुख परम पावन मोरान मोर इग्नाशियस अफ्रेम द्वितीय से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमने कई अहम मुद्दों पर गहन चर्चा की।''

कानून और अदालतों के अपने-अपने काम हैं : चौधरी

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि कानून अपना काम करता है और अदालतें अपना काम करती हैं।

शराब नीति मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने पर पंकज चौधरी ने कहा कि ''कानून अपना काम करता है और अदालतें अपना काम करती हैं।''

एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव पर उठे सवाल

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन पद पर लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से समूह के भीतर शीर्ष स्तर पर मतभेद से जुड़ी अटकलें तेज हो गई हैं।

टाटा संस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह निर्णय स्थगित होने से टाटा ट्रस्ट के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। बताया जाता है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों, विशेषकर एयर इंडिया में हो रहे घाटे पर चिंता जताई। एयर इंडिया का अधिग्रहण 2022 में किया गया था और कंपनी को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया अभी तक जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और बैटरी विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारी पूंजीगत व्यय से जुड़े जोखिमों पर भी उन्होंने सवाल उठाए। सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामकीय बाध्यता की वजह से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने को लेकर भी निदेशक मंडल में आशंका जताई गई और इस संबंध में स्पष्ट आश्वासन मांगा गया।

पिछले दो मुकाबलों में खराब बल्लेबाजी भारत को महंगी पड़ी : हरमनप्रीत कौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होबार्ट/भाषा। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा।

पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए। दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा।

दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, '' हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए। '' हरमनप्रीत ने कहा, ''हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे। '' ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता, आसपास के जिलों और बांग्लादेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद कोलकाता और आसपास के जिलों में भी उसके झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप दोपहर एक बजकर 22 मिनट पर महसूस किया गया और लोग दहशत में आ गए। उन्होंने कहा कि भूकंप धरती की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश का सतखीरा जिला था, जो कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर तथा उत्तरी 24 परगना जिले में सीमावर्ती क्षेत्र ताकी से महज 25 किलोमीटर दूर है। भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है लेकिन कोलकाता के उत्तरी हिस्से में कुछ प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों ने भूकंप के कारण दीवारों में दरारें पड़ जाने का दावा किया। भूकंप के झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए जिससे कोलकाता के लोग घबरा कर अपने अपने घरों से निकलकर खुली सड़कों पर आ गए। भूकंप के पहले झटके के तुरंत बाद कोई और झटका महसूस नहीं किया गया।

वाराणसी में दुकान से 10 हजार रुपए के अंतर्वस्त्र चोरी, तीन महिलाओं पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी के चेतगंज इलाके में एक दुकान से कथित तौर पर 10,000 रुपए के अंतर्वस्त्र चोरी किए जाने के मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चेतगंज थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि दुकान के मालिक सुदीप सिंह ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 24 फरवरी की शाम तीन महिलाएं उनकी दुकान में आईं। उन्होंने शिकायत के हवाले से कहा, जब 'सेल्सगर्ल' (दुकान की कर्मचारी) सामान लाने के लिए अंदर गई, तब महिलाओं ने कथित रूप से करीब 10,000 रुपए के अंतर्वस्त्र अपने बैग में रख लिए। थाना प्रभारी ने कहा, सामान के सत्यापन के दौरान सिंह को चोरी का पता चला। इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, दुकानदार ने घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सौंपी है। जांच के दौरान आरोपी महिलाओं में से एक की पहचान एक व्यापारी संघ की पूर्व अध्यक्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर से मिजोरम को 960 करोड़ रुपए का नुकसान: मंत्री

आइजोल/भाषा। मिजोरम के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री सी. लालसाविवुंगा ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के लगातार प्रकोप के कारण 2021 से अब तक 71,000 से अधिक सूअरों की मौत हुई है, जिससे 960 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

मंत्री ने बताया कि इस वायरस ने पशुधन क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि मार्च 2021 में एएसएफ का राज्य में पहला मामला आने के बाद से अब तक कुल 71,912 सूअरों की मौत हो चुकी है और 8,966 परिवार इससे प्रभावित हुए हैं। इनमें से 52,979 सूअरों को संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मार दिया गया। लालसाविवुंगा ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 9,711 सूअरों की मौत हो चुकी है और 3,615 अन्य सूअरों को मार गिराया गया है। स्थानीय सूअर पालकों की सहायता के उद्देश्य से किए गए एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय के दिशानिर्देशों के मुताबिक केवल मारे गए जानवरों के लिए ही मुआवजा दिया जाता है।

अखिलेश यादव ने एनसीईआरटी विवाद को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक को लेकर छिड़े विवाद के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शुक्रवार को निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि ''भाजपाई सरकार चला रहे हैं या मनमानी का सर्कस?''

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा बड़े-बड़े आरोप लगाती है और बाद में पकड़े जाने पर खेद व्यक्त करती है। उनकी यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय ने द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर ''पूर्ण प्रतिबंध'' लगाए जाने के एक दिन बाद आई है।

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए एक ''गहरी साजिश'' और ''सुनियोजित प्रयास'' किया गया है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जैसे फंसाती है चोर को खांसी, वैसे गुनाहगार को झूठी माफी।'' उन्होंने कहा, ''भाजपाई अपनी भ्रष्टाचारी सोच से पहले तो दूसरों पर अपने से कई गुने बड़े आरोप लगाते हैं (जिसका मूल उद्देश्य ये होता है कि दूसरों के महाकाय आरोपों के आगे उनके भ्रष्टाचार नगण्य लगें) लेकिन जब फंस जाते हैं तो 'खेद' प्रकट करते हैं।'' सपा अध्यक्ष ने कहा, ''दिखावटी माफी आखिरकार पकड़ी ही जाती है, ऐसे धूर्त लोगों की झूठी मंशा और कपट का एक न एक दिन पर्दाफाश होता ही है, जो इस बात का भंडाफोड़ कर देता है कि वो कसूरवार हैं, बेकसूर नहीं।''

सुविचार

चुप हो जाना हर बार डरना नहीं होता पत्तों को झाड़ जाना पेड़ का मरना नहीं होता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'आप' को मिली संजीवनी

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा बरी किए जाने संबंधी फैसला उनके लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। उनके साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी राहत पा गए। अब केजरीवाल केंद्र सरकार को जमकर आड़े हाथों ले रहे हैं, मीडिया के सामने भावुक हो रहे हैं। आबकारी नीति मामले ने उनकी राजनीतिक साख को भारी नुकसान पहुंचाया था। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) तो हारी ही, केजरीवाल भी अपनी सीट गंवा बैठे थे। अब केजरीवाल जनता से सहानुभूति लेकर उस नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करेंगे। इसका आगाज हो चुका है। अदालत के फैसले के बाद कुछ सवाल भी खड़े होते हैं। यह बहुचर्चित मामला था, जिस पर देशभर की निगाहें थीं। क्या इसके लिए सीबीआई ने पर्याप्त सबूत नहीं जुटाए थे? केजरीवाल, सिसोदिया समेत 21 अन्य आरोपी बरी हुए हैं। क्या सीबीआई के अधिकारी मिलकर इनमें से किसी एक के खिलाफ एक ठोस सबूत भी नहीं ढूंढ़ पाए? अदालत ने पाया कि आरोपपत्र में ही आंतरिक विरोधाभास थे। क्या अधिकारियों ने तथ्यों का पर्याप्त अध्ययन नहीं किया था? ऐसी स्थिति क्यों आई कि अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया? जांच एजेंसी को फटकार भी लगाई गई है। उसने ऐसा आरोपपत्र पेश किया, जिसमें कई कमियां पाई गईं और उनकी पुष्टि सबूतों या गवाहों से नहीं हो सकी। अदालत में बहस के दौरान सबूतों के अभाव के कारण आरोप नहीं टिक पाए। हालांकि सीबीआई इस मामले को उच्च न्यायालय लेकर चली गई है। वहां उसे मजबूत सबूतों के साथ मामले को पेश करना होगा।

उच्च न्यायालय का फैसला आने में समय लग सकता है, लेकिन अभी 'आप' को संजीवनी मिल गई है। यह पार्टी दिल्ली में अपना आधार खो रही थी, जिसे अब वापस पाने की कोशिश करेगी। यही नहीं, केजरीवाल समेत 'आप' नेता अन्य राज्यों में भी भाजपा पर हमला बोलकर खुद को ईमानदार घोषित करेंगे। पूरे मामले को 'राजनीतिक साजिश' से जोड़कर प्रचारित किया जा रहा है, जिसके जरिए यह बताने की कोशिश हो रही है कि 'हम पाक-साफ थे ... हमें फंसाया गया था।' हालांकि केजरीवाल ने एक बड़ा मौका गंवा दिया। जब जांच एजेंसी उन्हें बार-बार नोटिस भेज रही थी, तब वे पेश होने से आनाकानी कर रहे थे। इससे शक को बढ़ावा मिला था। केजरीवाल को अपनी गिरफ्तारी और जेलयात्रा का इंतजार ही नहीं करना चाहिए था। तुरंत इस्तीफा देते और पेश हो जाते। साथ ही, यह घोषणा करते कि 'जब तक आरोपों से मुक्त नहीं हो जाऊंगा, तब तक किसी भी चुनाव में वोट मांगने नहीं आऊंगा।' इससे केजरीवाल की विश्वसनीयता में वृद्धि होती। अब वे आरोपों से बरी तो हो गए हैं, लेकिन दिल्ली हाथ से निकल गई। जिस आम आदमी के दम पर 'आप' ने दमदार शुरुआत की थी, वही कहने लगा था कि भ्रष्टाचार मिटाने का दावा करने वाले खुद भ्रष्टाचार के मामले में जेल गए। पार्टी की छवि को बट्टा लगना था, सो लग चुका। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर हो गया था। अब संगठनात्मक ऊर्जा में वृद्धि होगी। 'आप' के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। वे दिल्ली और पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे। अन्य राज्यों में विस्तार की कोशिशें तेज हो सकती हैं। 'आप' राष्ट्रीय स्तर पर खुद को प्रमुख विपक्षी विकल्प के तौर पर पेश करने की कोशिश कर सकती है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ सकता है, जो भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के लिए चुनौतियां पैदा करेगा। अगर भविष्य में इंडि गठबंधन रहा तो 'आप' हिस्सेदारी के लिए ज्यादा सीटों पर दावा कर सकती है।

ट्वीटर टॉक

जैसलमेर में स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपना अनुभव साझा किया: 'प्रचंड हेलिकॉप्टर आत्मनिर्भरता का एक प्रबल प्रतीक है। इस समय मैं प्रसिद्ध जैसलमेर किले के ऊपर उड़ान भर रही हूँ।

-द्रोपदी मुर्मू

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के पूज्य संत आदरणीय श्री रामचरण स्वामी जी के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दु:खद है। समाज को सदाचार, नैतिकता और अध्यात्म के मार्ग पर अग्रसर करने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-दिया कुमारी

भारत ज़मीन से आसमान तक प्रगति की उड़ान भर रहा है। अब तकनीक भी हमारी है और पंख भी हमारे हैं। आज माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने जैसलमेर से स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर क-ङ झीरलहरपव से उड़ान भरकर इतिहास रच दिया।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

फूलों से सीख

एक बगीचे में तरह-तरह के फूल खिले थे। एक युवक बगीचे के बागबान से प्रतिदिन कुछ फूल लेकर मंदिर में अर्पित करने जाया करता था। एक दिन माली ने पूछा, 'बेटे जानते हो यह फूल एक मौन संवाद हैं।' 'अच्छा! मगर कैसे?' युवक ने जानना चाहा। 'बेटे यह फूल हमको मौन भाषा में यह बताता है कि हमको अगर देवता के समीप जाना है तो अपना मन सुगन्धित करना होगा। फूल जैसी कोमलता और क्षणभंगुरता को सहज स्वीकार करना होगा। खिलना केवल औरों के लिए मगर शालीन बने रहना हमको फूल ही सिखाते हैं। इस तरह हंसकर जीना और देवत्व पर अर्पित हो जाना सीख लिया तो देवता पर फूल चढ़ाना सार्थक है।'

सामयिक

संस्थाओं की विश्वसनीयता और लोकतंत्र की चुनौती

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त करने का हालिया फैसला एक बार फिर कानून, राजनीति और संस्थागत विश्वसनीयता के आपसी संबंधों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ले आया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अपनी चार्जशीट में लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूत पेश करने में विफल रही। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि जब किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े नेता पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उन्हें साबित करने के लिए मजबूत, विश्वसनीय और ठोस सामग्री होना अनिवार्य है। केवल आरोपों की गंभीरता के आधार पर आपराधिक मुकदमा आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। इस टिप्पणी ने केजरीवाल, सिसोदिया और आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ी राहत दी है, साथ ही राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर व्यापक चर्चा को भी फिर से जीवित कर दिया है।

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ा यह मामला वर्ष 2022-23 की उस नई नीति से शुरू हुआ था, जिसे दिल्ली सरकार ने लागू किया था। इस नीति का उद्देश्य राजधानी में शराब व्यापार को व्यवस्थित करना, सरकारी राजस्व बढ़ाना और कथित शराब माफिया की भूमिका को सीमित करना बताया गया था। इसके तहत खुदरा बिक्री को निजी हाथों में देने और लाइसेंस व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए गए। लेकिन नीति लागू होने के कुछ ही समय बाद आरोप सामने आने लगे कि इसके कुछ प्रावधान विशेष निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए गए थे और इसके बदले कथित रूप से रिश्वत या कमीशन लिया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल की सिफारिश पर सीबीआई ने जांच शुरू की और भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश तथा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी धनशोधन से जुड़े आरोपों की जांच आरंभ कर दी।

जांच के दौरान आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया। स्वयं अरविंद केजरीवाल को भी लंबे समय तक कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ा। जमानत याचिकाओं पर लंबी सुनवाई हुई और कई बार उन्हें चुनौती दी गई। इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक माहौल को बेहद गर्म कर दिया। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग राजनीतिक दबाव बनाने के लिए कर रही है। वहीं केंद्र सरकार का कहना रहा कि कानून अपना काम कर रहा है और किसी भी व्यक्ति को जवाबदेही से छूट नहीं मिल सकती। ऐसे में ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपमुक्त किए जाने का आदेश केवल एक कानूनी कदम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना भी है।

अदालत के फैसले ने आपराधिक न्याय व्यवस्था के एक मूल सिद्धांत को फिर से रेखांकित किया है, निर्दोषता की पूर्व धारणा और प्रथम दृष्टया साक्ष्य की आवश्यकता। न्यायालय ने चार्जशीट में कई कमियों की ओर इशारा किया और कहा कि अभियोजन पक्ष कई महत्वपूर्ण सवालों का संतोषजनक उत्तर देने में असफल रहा। इस प्रकार न्यायपालिका ने यह संदेश दिया कि जांच एजेंसियों को उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते समय और भी अधिक सावधानी, निष्पक्षता और साक्ष्य की मजबूती का ध्यान रखना चाहिए। यह न केवल निष्पक्ष न्याय के लिए आवश्यक है, बल्कि संस्थाओं की साख बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य है। हालांकि सीबीआई ने इस आदेश पर असंतोष व्यक्त किया है और संकेत दिया है कि वह इसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दे सकती है। इसका अर्थ है कि यह कानूनी लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। उच्च अदालत में अपील होने पर साक्ष्यों की मजबूती और ट्रायल कोर्ट की दलीलों की फिर से जांच होगी। फिर भी, तत्काल राजनीतिक प्रभाव को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आम आदमी पार्टी, जो शुरू से इस मामले को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रही थी, इस निर्णय को अपनी नैतिक जीत के रूप में देख रही है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार इस घटनाक्रम को अंतिम निर्णय के बजाय एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बता सकती है।

इस पूरे विवाद को भारत की संघीय व्यवस्था और केंद्र- राज्य संबंधों के व्यापक संदर्भ में भी समझना आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में कई विपक्ष-शासित राज्यों ने आरोप लगाया है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों, जैसे सीबीआई और ईडी का उपयोग राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ चयनात्मक रूप से किया जा रहा है। कई नेताओं का दावा है कि चुनावी मौसम या राजनीतिक अस्थिरता के समय जांच की गति तेज हो जाती है। केंद्र सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती रही है और कहती है कि एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। फिर भी, सार्वजनिक विमर्श में पक्षपात की धारणा मजबूत होती दिखाई दी है।

दिल्ली के मामले में आम आदमी पार्टी के समर्थकों का मानना है कि आबकारी नीति विवाद ने पार्टी की छवि को गहरा आघात पहुंचाया और चुनावी परिणामों पर भी असर डाला। लगातार मीडिया कवरेज, वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी और बार-बार अदालत में पेशी ने एक ऐसा वातावरण बनाया, जिसमें संदेह और अस्थिरता का भाव बना रहा। भले ही बाद में कई मामलों में जमानत मिल गई, लेकिन राजनीतिक छवि को जो नुकसान हुआ, वह चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। अक्सर आरोपों का असर कानूनी निष्कर्ष से पहले ही मतदाताओं की सोच को प्रभावित कर देता है। इस मामले को भी विरोधियों ने भ्रष्टाचार और कुप्रशासन के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया। यह स्थिति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि उनके नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं पर विभिन्न मामलों में जांच हुई। महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक और सरकार गठन के दौर में जांच एजेंसियों की सक्रियता चर्चा का विषय बनी रही। झारखंड में एक मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी ने भी समय और मंशा को लेकर सवाल खड़े किए। इन घटनाओं ने मिलकर यह बहस तेज कर दी है कि कहीं संस्थाओं का राजनीतिकरण तो नहीं हो रहा।

फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी जनप्रतिनिधि पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को केवल राजनीतिक कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। जांच एजेंसियों का संवैधानिक दायित्व है कि वे कानून का पालन कराएं और यदि कोई अनियमितता हो तो उसकी निष्पक्ष जांच करें। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त हो। संस्थागत विश्वसनीयता केवल वास्तविक स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की सार्वजनिक धारणा से भी बनती है। जब अदालतें बार-बार साक्ष्यों की कमजोरी की ओर इशारा करती हैं, तो स्वाभाविक रूप से जांच की गुणवत्ता और अभियोजन की तैयारी पर प्रश्न उठते हैं। दिल्ली आबकारी नीति का यह प्रकरण यह भी दिखाता है कि कानूनी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक राजनीति के बीच संबंध कितना जटिल होता है। अदालतें साक्ष्य और कानून के आधार पर निर्णय देती हैं, जबकि राजनीतिक विमर्श जनभावना, मीडिया प्रस्तुति और चुनावी रणनीति से प्रभावित होता है। यदि अंततः अदालत पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण किसी को राहत दे दे, तब भी लंबे समय तक चली जांच के राजनीतिक परिणाम बने रह सकते हैं। इससे यह प्रश्न भी उठता है कि क्या मौजूदा व्यवस्थाएं इतनी मजबूत हैं कि वे जांच एजेंसियों के संभावित दुरुपयोग को रोक सकें, या फिर संस्थागत सुधार की आवश्यकता है।

इस पूरे घटनाक्रम ने न्यायपालिका की भूमिका को भी रेखांकित किया है। अदालत ने चार्जशीट की गहराई से जांच कर और ठोस साक्ष्य की मांग कर यह दिखाया है कि न्यायपालिका लोकतांत्रिक ढांचे में एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में कार्य करती है। लेकिन इस संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि कार्यपालिका, जांच एजेंसियां और न्यायपालिका, सभी अपने-अपने संवैधानिक दायरे में रहकर काम करें। केजरीवाल और सिसोदिया को आरोपमुक्त किया जाना केवल एक कानूनी फैसला नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में चल रही व्यापक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, जवाबदेही और संस्थागत विश्वसनीयता के बीच के तनाव का प्रतीक है।

यदि यह मामला उच्च अदालतों तक जाता है, तो इसकी कानूनी यात्रा जारी रहेगी। परंतु इससे जुड़े व्यापक सवाल केंद्र- राज्य संबंध, संस्थाओं की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक विश्वास लंबे समय तक चर्चा में बने रहेंगे। एक सशक्त लोकतंत्र में भ्रष्टाचार के आरोपों की गहन और निष्पक्ष जांच आवश्यक है, परंतु जांच प्रक्रिया को दलगत राजनीति से दूर रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संस्थाओं की साख किसी भी राष्ट्र की अमूल्य संपत्ति होती है। यदि उनके दुरुपयोग की धारणा बनती है, तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। इसलिए यह प्रकरण राजनीतिक दलों और जांच एजेंसियों, दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है कि वे जवाबदेही और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे स्थापित करें, ताकि लोकतांत्रिक शासन की विश्वसनीयता और मजबूती बनी रहे।

नजरिया

रंगों से नहीं, परिवर्तन से खिलता है मन का वसंत

कृति आरके जैन

मोबाइल : 79992 40375

अँधेरा जितना भी गहरा हो, जब आग की लपटें उठती हैं, वह हर छिपी कड़वाहट और पुरानी पीड़ा को राख बना देती हैं। होलिका दहन केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि यह जीवन का सबसे बड़ा संदेश है कि बुराई कितनी भी प्रबल क्यों न हो, वह अंततः समाप्त हो जाती है। राख से उठता है नया वसंत, जिसमें हर पत्ता हरा, हर फूल खिलता और हर सांस नई ऊर्जा से भर जाती है। होली हमें यह सिखाती है कि परिवर्तन कोई असंभव चमत्कार नहीं, बल्कि हर क्षण हमारी अपनी समझ और प्रयास से संभव है। जो आज दुख में डूबा है, वही कल प्रेम, आनंद और उमंग के रंग में सराबोर हो सकता है। होलिका की कथा केवल पुरानी कहानी नहीं, बल्कि मानव मन के भीतर छिपे द्वंद्व का प्रतीक है। हिरण्यकश्यप का अहंकार और प्रह्लाद की निश्छल भक्ति हमें बताते हैं कि अच्छाई और बुराई दोनों हमारे भीतर मौजूद हैं। जब अहंकार की आग अपने आप को भस्म कर देती है, तब प्रेम और सत्य की शक्ति और प्रबल हो जाती है। हमारी जिंदगी में भी कई हिरण्यकश्यप हैं – ईर्ष्या, क्रोध, भय, लालच – जो हमें मानसिक और भावनात्मक रूप से जलाने का प्रयास करते हैं। लेकिन जब हम प्रह्लाद की तरह सत्य और प्रेम पर अडिग रहते हैं, तो वही आग नकारात्मकता को समाप्त कर देती है। यही होली का सबसे बड़ा संदेश है – परिवर्तन हमेशा हमारे भीतर से शुरू होता है।

> **होली हमें याद दिलाती है कि परिवर्तन हमेशा संभव है, बुराई चाहे कितनी भी प्रबल क्यों न हो। जीवन का प्रत्येक क्षण नया अवसर देता है। पुरानी आदतों, डर, और नकारात्मकताओं को जलाकर ही हम सच्चे वसंत का अनुभव कर सकते हैं। बस हमें अपने भीतर की आग को पहचानना है, अपनी कमजोरी स्वीकार करनी है, और प्रेम, क्षमा, समझ और सकारात्मकता के रंग भरने हैं। होली नहीं मनानी, होली जीनी है - हर दिन, हर पल।**

रंग बरसाना केवल चेहरों तक सीमित नहीं होता; यह दिलों की दीवारों तक पहुँचता है। पुराने मतभेद, वर्षों की शिकायतें, टूटे रिश्ते और कड़वाहटें सब रंगों में घुलकर मिट जाती हैं। होली का वसंत तभी आता है, जब हम पहले अपने भीतर की होलिका जला चुके होते हैं। जैसे सर्दियों के बाद बसंत की ताजगी आती है, वैसे ही मन के अँधेरों और पुराने गिले-शिकवे समाप्त होने पर प्रेम और भाईचारा खिलता है। परिवर्तन का अर्थ है पुरानी आदतों और नकारात्मक सोच को जलाना, और नए विचार और सकारात्मक ऊर्जा अंकुरित करने देना। होली यही सिखाती है कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं – न दुख, न क्रोध, न असफलता; सब बदल सकता है, यदि हम खुद को बदलने की हिम्मत करें।

होली का उत्सव कठिनाइयों को सरल बना देता है। रंग खेलते समय लोग जाति, संपत्ति या पद की सीमाओं को भूल जाते हैं। सभी एक हो जाते हैं। यही एकता परिवर्तन की पहली सीढ़ी है। जब हम दूसरों को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में अपनी कड़वाहट भी धुल जाती है। क्षमा और समझौते की भावना जन्म लेती है। परिवर्तन अकेले नहीं होता, वह सामूहिक प्रयास से संभव होता है। एक व्यक्ति जब बदलता है, तो उसके आसपास का समाज भी बदलने लगता है। बुराई की होलिका अकेले नहीं जलती, अच्छाई का वसंत भी अकेले नहीं आता। सामूहिक प्रयास, प्रेम और समझदारी से ही यह संभव होता है।

होली का पर्व हमें यह भी सिखाता है कि परिवर्तन केवल बाहरी बदलाव नहीं है, बल्कि अंदर से उठने वाली क्रांति है। यह बदलाव धीरे-धीरे आता है, जब हम पुराने भ्रम, डर और संदेह को जलाते हैं। यह बदलाव व्यक्ति के दृष्टिकोण, सोच और व्यवहार में दिखाई देता है। जब हम दूसरों के लिए समझ, दया और सहयोग का रंग भरते हैं, तो वही रंग हमारे भीतर की बुराई और नकारात्मकता को भी मिटा देता है। होली केवल खुशियों का पर्व नहीं, बल्कि आत्म-शुद्धि और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है।

प्रकृति भी इस संदेश का प्रतीक है। जैसे सर्दियों के बाद बसंत में हर पेड़ और हर फूल नया जीवन लेकर आता है, वैसे ही हमारे जीवन में भी पुराने दुख, पुराने भय और पुराने गिले-शिकवे खत्म होने पर नई ऊर्जा और नई संभावनाएँ जन्म लेती हैं। होली हमें याद दिलाती है कि परिवर्तन सतत प्रक्रिया है, जो कभी रुकती नहीं। हर अंत में नया आरंभ है, और हर कठिनाई में सीख और अवसर छिपे होते हैं। जीवन के रंग तभी खिलते हैं जब हम पुराने अंधेरों को स्वीकार कर उनके ऊपर से विजय की आग लगाते हैं। बुराई जल रही है, मतलब पुरानी कमजोरियाँ, दोष और भय समाप्त हो रहे हैं। अच्छाई का वसंत आ रहा है, मतलब नई संभावनाएँ, नया प्रेम और नयी ऊर्जा जन्म ले रही हैं। यह त्योहार हमें यह भी सिखाता है कि केवल खुद को बदलना ही पर्याप्त नहीं; दूसरों के लिए मार्ग खोलना और उन्हें प्रेरित करना भी जरूरी है।

जब हम अपनी छोटी-छोटी सकारात्मक क्रियाओं के माध्यम से दूसरों के जीवन में रंग भरते हैं, तो समाज सामूहिक परिवर्तन की ओर अग्रसर होता है। यही होली का असली अर्थ है। होली हमें याद दिलाती है कि परिवर्तन हमेशा संभव है, बुराई चाहे कितनी भी प्रबल क्यों न हो। जीवन का प्रत्येक क्षण नया अवसर देता है। पुरानी आदतों, डर, और नकारात्मकताओं को जलाकर ही हम सच्चे वसंत का अनुभव कर सकते हैं। बस हमें अपने भीतर की आग को पहचानना है, अपनी कमजोरी स्वीकार करनी है, और प्रेम, क्षमा, समझ और सकारात्मकता के रंग भरने हैं। होली नहीं मनानी, होली जीनी है – हर दिन, हर पल। क्योंकि जब हम बदलाव को अपनाते हैं, तो जीवन न केवल रंगीन, बल्कि चमत्कारिक और प्रेरक बन जाता है। यही होली का असली संदेश है – बुराई जल रही है, अच्छाई का वसंत आ रहा है, और जीवन हमेशा नई शुरुआत का अवसर देता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेमिनार

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू नई दिल्ली में 'आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म: सांस्कृतिक और सामाजिक रास्तों पर चलना' पर एक सेमिनार के दौरान।

मोदी से मिले विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, वेडिंग रिसेप्शन का दिया न्योता

नई दिल्ली/एजेन्सी

साउथ सिनेमा की दुनिया में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी को लेकर चर्चाओं में हैं। इस कपल ने 26 फरवरी को उदयपुर में तेलुगु और कोडवा रीति-रिवाजों के साथ शादी की। अब 4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया है, जिसका न्योता कपल ने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें दिया। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में विजय और रश्मिका पारंपरिक परिधानों में

नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में वे प्रधानमंत्री को शॉल भेंट करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों के चेहरे पर खुशी की झलक साफ नजर आ रही है। कपल ने पीएम मोदी को 4 मार्च को हैदराबाद में होने वाले उनके वेडिंग रिसेप्शन के लिए निमंत्रण कार्ड भी दिया। इससे पहले विजय और रश्मिका ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात कर उन्हें रिसेप्शन का न्योता दिया था। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विजय देवरकोंडा के माता-पिता को एक पत्र लिखकर बेटे की शादी पर शुभकामनाएं दी थीं। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने लिखा था, शादी के आनंदमय और शुभ अवसर पर देवरकोंडा और मंदाना परिवार, दोनों को दिल से बधाई। यह शादी विजय और रश्मिका के जीवन की एक नई और सुंदर शुरुआत है। सात फेरे लेने का अर्थ जीवन भर के लिए दोस्त बन जाना होता है। पत्र में प्रधानमंत्री ने दोनों कलाकारों के फिल्मी करियर से जुड़ी बातों का जिक्र भी किया था और लिखा, विजय और रश्मिका दोनों ही अपनी फिल्मों की स्क्रिप्ट और कहानियों के लिए नए नहीं हैं।

सामंथा रुथ ने बेटी के समयपूर्व जन्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा की 'ईमानदारी' की सराहना की

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास की इस बात के लिए सराहना की है कि 2022 में उन्होंने बेटी मालती मैरी के समयपूर्व जन्म और उस समय इसकी घोषणा के दौरान झेले गए भावनात्मक उतार-चढाव पर खुलकर बात की थी।

सामंथा ने प्रियंका के हालिया साक्षात्कार का एक वीडियो क्लिप अपनी 'इंस्टाग्राम' स्टोरी पर साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी के 27 सप्ताह में जन्म लेने और युगल द्वारा इस खबर को सार्वजनिक करने के दबाव के बारे में बात की। सामंथा ने लिखा, बहुत खूबसूरत। धन्यवाद, प्रियंका। आपकी ईमानदारी बहुत प्रभावशाली है। मुझे यह साक्षात्कार बहुत पसंद आया। साक्षात्कार में प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा कि समय से पहले प्रसव के बारे में पता चलने पर वह पूरी तरह से टूट गईं और खुलासा किया कि उन्हें और उनके गायक पति निक जोनास को समयपूर्व बच्चे के जन्म की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जलवायु बहुपक्षवाद हमारे लिए अस्तित्व का विषय है : मालदीव के मंत्री मोहम्मद

नई दिल्ली/भाषा

मालदीव के पर्यटन और पर्यावरण राज्य मंत्री मुआवियाथ मोहम्मद के मुताबिक, जलवायु वार्ता में खंडित और एकतरफा सोच, और लक्ष्यों को प्राप्त करने में देरी ने भरोसा कम किया है और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने की दुनिया की काबिलियत को कमजोर किया है। मोहम्मद ने बृहस्पतिवार को 'द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट' (टेरी) द्वारा आयोजित किए गए 'वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट' में अपने भाषण में कहा, ''मालदीव के लिए, बहुपक्षवाद कोई अमूर्त विचार नहीं है, बल्कि अस्तित्व का मामला है। यह एक ऐसा देश है, जिसका 99 प्रतिशत से अधिक भाग समुद्र से जुड़ा है। इस सदी के आखिर तक समुद्र का स्तर एक मीटर तक बढ़ सकता है, जिसका आर्थिक और सामाजिक प्रभाव हो सकता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक उत्सर्जन में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी वाले 'ग्लोबल नॉर्थ' को जिम्मेदारी उठानी चाहिए, जबकि छोटे द्वीपीय देशों जैसे सबसे कमजोर देशों को जलवायु वित्तपोषण तक पहुंच मिलनी चाहिए।'' मोहम्मद की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं जब जलवायु संकट से निपटने की दुनिया भर की कोशिशें कमजोर पड़ गई हैं, खासकर पिछले महीने अमेरिका के 66 अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और समझौतों से हटने के बाद, जिसमें सबसे बड़ा कदम जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के रूपरेखा समझौते (यूएनएफसीसीसी) से हटना था।

सनातन धर्म में फूलों का महत्वपूर्ण स्थान, उनके बाजार फलने-फूलने चाहिए : फडणवीस

मुंबई/भाषा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि फूलों के बाजार फलने-फूलने चाहिए क्योंकि फूल 'सनातन धर्म' में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

फडणवीस ने कहा कि राज्य में कृत्रिम फूलों पर मौजूदा प्रतिबंध को लेकर स्पष्टता लाने के लिए जल्द ही एक सरकारी आदेश जारी किया जाएगा।सरकार ने जुलाई 2025 में कृत्रिम फूलों के उपयोग, बिक्री और वितरण पर राज्यव्यापी प्रतिबंध की घोषणा की थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक विक्रम पचपुते और अन्य ने राज्य विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से प्रतिबंध के बावजूद बाजार में कृत्रिम फूलों की अवैध बिक्री का मुद्दा उठाया।इस पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए फडणवीस ने चेतावनी दी कि सजावट के लिए कृत्रिम फूलों का उपयोग करने वाले पेशेवरों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम फूलों का कारोबार फूल उत्पादकों और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचा

रहा है। फडणवीस ने कहा, कृत्रिम फूलों पर मौजूदा प्रतिबंध को स्पष्ट करने के लिए जल्द ही एक सरकारी आदेश जारी किया जाएगा। फूलों के बाजार फलने-फूलने चाहिए क्योंकि सनातन धर्म में फूलों का बहुत महत्व है।फडणवीस ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ नगर निकाय की कार्रवाई के कारण कुछ फूल बाजार बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों को प्राकृतिक फूलों की बिक्री से जुड़े बाजारों को फिर से शुरू करने का आदेश देंगे।

इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) नेता जयंत पाटिल ने कहा, पूरे राज्य में प्राकृतिक फूलों की गिरती कीमतों के कारण फूल उत्पादक किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। इस स्थिति का मुख्य कारण कृत्रिम फूलों का बढ़ता उपयोग है। उन्होंने कृत्रिम फूलों पर मौजूदा प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की।पाटिल ने कहा कि फूल उत्पादक ग्रीनहाउस में भारी निवेश करते हैं और बड़े पैमाने पर प्राकृतिक फूलों की खेती करते हैं। पाटिल ने कहा कि हालांकि, बाजार में कृत्रिम फूलों के बढ़ते उपयोग के कारण उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने कृत्रिम फूलों की बिक्री को पूरी तरह से रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। राज्य के पूर्व मंत्री पाटिल ने कहा कि हाल ही में मुंबई के दादर इलाके में फूल बाजार से फूल विक्रेताओं को निकाय प्राधिकारियों ने हटा दिया था, जिसके विरोध में महानगर के फूल व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। पाटिल ने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल कदम उठाने और फूलों के व्यापार को सुचारू रूप से बहाल करना सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया।

'भूत बंगला' का नया गाना 'राम जी आके भला करेंगे' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार की आगामी कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी जोश को बनाए रखने के लिए मेकर्स ने गुरुवार को नया गाना 'राम जी आके भला करेंगे' जारी कर दिया है। जोश से भरपूर गाने में अक्षय कुमार मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। पागलपन, पुरानी यादों और उनकी खास कॉमिक स्टाइल से भरा यह गाना फिल्म की मजेदार दुनिया की एक शानदार झलक दिखाता है। 'राम जी आके भला करेंगे' एक मजेदार और हंसी से भरपूर ट्रैक है। इसके तेज बीट्स और मजेदार वीडियो दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। वे गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।गाने में अक्षय कुमार अपने पुराने वाले क्लासिक स्टाइल में नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे भूतों की दुनिया में घूमते दिख रहे हैं। वे अजीब-अजीब भूतों से मजेदार अंदाज में टकराते दिख रहे हैं। उनकी परफॉर्मेंस में डरावनी हरकतें और हंसी-मजाक का शानदार मिश्रण है।

यह गाना प्रीतम ने कंपोज किया है। लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं। इसे अरमान मलिक और आरवन (देव अरिजीत) ने गाया है। इसमें मेलोडी का एक रैप पार्ट भी है, जो उन्होंने खुद लिखा और परफॉर्म किया। यह रैप गाने में आज के दौर का तड़का लगाता है और बीट्स को और भी धमाकेदार बनाता है।खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन 16 साल बाद साथ में आए हैं। 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं क्योंकि इससे पहले अक्षय की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। बिना सुपरहिट फिल्म दिए अभिनेता को एक लंबा समय गुजर चुका है और ऐसे में 'भूत-बंगला' कुछ बड़ा कर सकती है।

एआई को दुश्मन नहीं, सहायक टूल समझें : सुभाष धई

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक सुभाष घई अक्सर सोशल मीडिया पर अपने विचार रखते रहते हैं। उनकी फिल्में गहरी सोच और समाज को आईना दिखाने के लिए मशहूर हैं। बुधवार को उन्होंने अपनी फिल्मों को लेकर विचार व्यक्त किए। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट किया। इसमें उनकी हिट फिल्मों के टाइटल राम-लखन, सौदागर, खलनायक, नायक, परदेस और ताल समेत कई नाम शामिल हैं। सुभाष ने अपनी इस पोस्ट के जरिए युवाओं को नई ऊर्जा देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि काम शानदार करो कि वह फिल्म इंडस्ट्री के लिए ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक हो। वे कहते हैं कि काम इतना शानदार हो कि वह खुद बोलता रहे, व्यक्ति की जरूरत न पड़े। सुभाष ने लिखा, आने वाले समय में किसी भी व्यक्ति की असली पहचान उसकी बातों से नहीं बल्कि काम से होगी। काम के जरिए ही उसके विचार और सोच का पता चलेगा।

उन्होंने लिखा, दर्शक लंबे समय तक फिल्म को याद रखते हैं। फिल्म बनाने वाले निर्देशक या क्रिएटर को नहीं, बल्कि फिल्मकार को हमेशा बेहतर करने की कोशिश जारी रखनी चाहिए।उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए युवा को सलाह दी कि जब तक समय है, सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो। नई चीजें सीखने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने लिखा, एआई को अपनी 'तीसरी आंख' की तरह इस्तेमाल करो। यह नई सोच, नई दिशा और नए आइडिया दिखा सकती है।

एआई को दुश्मन नहीं, बल्कि सहायक टूल की तरह देखना चाहिए जो क्रिएटिविटी को और मजबूत बनाए। सुभाष ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दीं, जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। काफी समय से सुभाष की फिल्में बड़े पर्दे पर नहीं आई हैं, हालांकि इस समय वे अपने संस्थान, व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपने स्कूल के माध्यम से उन्होंने कई प्रतिभाओं को निखारा है।

मुश्किल दौर में सेलिना जेटली को मिला 'फौजी बहन' का साथ, भावुक होकर अभिनेत्री लिखा- एहसास हुआ कि मैं अकेली नहीं हूं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सेलिना जेटली के भाई, रिटायर्ड मेजर विक्रांत कुमार जेटली, पिछले कुछ सालों से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट के जरिए फौजी परिवार की बहन से मिले प्यार और स्नेह का जिक्र किया। अभिनेत्री सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे स्टोन ग्रे रंग की कांथा साड़ी पहने हुए हैं। साड़ी पर तोते की खूबसूरत कढ़ाई बनी हुई है। सेलिना ने भौजी परिवार की महिलाओं के प्रति अपना स्नेह व्यक्त करते हुए लिखा, एक फौजी बहन का स्नेह। जिंदगी की भागदौड़ में मैं भूल गई थी कि बहन से साड़ी लेना और उसे पहनना कैसा होता है। एक फौजी ने मुझे साड़ी भेंट देने के साथ-साथ मुझे पहनाई, साड़ी की पिन लगाई, प्लीटस बनाई और ऐसे ओढ़ाई जैसे

सुरक्षा में लपेट रही हैं। सेलिना ने आगे लिखा, साथ ही, उन्होंने मुझे चूड़ी पहनाई, कान की बाली ठीक की, फोटो खींची, पल्लू सही किया और माथे पर बिंदी लगाई। इन छोटे-छोटे कामों से मुझे एहसास हुआ कि मैं अकेली नहीं हूं। यह साड़ी उन्होंने अपने पति की बंगाल पोस्टिंग के दौरान ली थी। अभिनेत्री ने इस पल को अपने बचपन से जोड़ा। उन्होंने लिखा, ये सब देखकर मुझे अपने बचपन की याद आ गई, जब मेरी मां प्यार से कांथा साड़ी निकालकर पहना करती थीं। वह सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि प्यार और गर्व का एहसास हुआ करता था। काफी समय बाद ऐसा सुकून फिर से महसूस हुआ।

अभिनेत्री ने बताया कि वे कुमाऊंनी हैं। उनके अंदर ताकत नंदा देवी की कृपा और पहाड़ों की गोद से मिली है। अभिनेत्री ने लिखा, कभी-कभी सुकून चुपचाप आता है। साड़ी की प्लेटस में, चूड़ियों में और बहन के प्यार में। इस एहसास में कि अपनों के साए में अभी भी सुरक्षित हैं। लव यू, समीरा। बता दें कि अभिनेत्री एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता, कर्नल विक्रम कुमार जेटली, एक पंजाबी हिंदू और भारतीय सेना अधिकारी थे, जबकि उनकी मां, मीता, एक अफगान हिंदू और सेना की नर्स थीं। उनके भाई, विक्रांत जेटली, भी एक रिटायर्ड मेजर हैं, जो अभी इस समय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में हैं।

जावेद अख्तर को भा गई तापसी पन्नू की 'अस्सी', फिल्म को बताया दिलों को छू लेने वाली कहानी

मुंबई/एजेन्सी

सामाजिक-राजनीतिक और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए हिंदी सिनेमा के जाने-माने डायरेक्टर अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर भले ही फिल्म धीमी कमाई कर रही है, लेकिन फिर भी फैंस के दिलों पर छाप छोड़ रही है। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर नेसमाज की कड़वी और गंदी मानसिकता पर चोट करती फिल्म 'अस्सी' की तारीफ की है। तापसी पन्नू की फिल्म 'अस्सी' देशभर में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न की सच्चाई को उजागर करती है। फिल्म में कोर्टरूम ड्रामा से लेकर पीड़िता को उस दौरान किन चीजों का सामना करना पड़ता है, इन सभी पहलुओं को बारीकी से दिखाया गया है। यही वजह है कि फिल्म गीतकार जावेद अख्तर के दिल में उतर चुकी है।

गीतकार ने फिल्म की तारीफ कर लिखा कि अस्सी ऐसी कहानी है, जो एक तरफ इमोशनल पहलू को छूती है और दूसरी तरफ लोगों के दिल को। फिल्म को बहुत अच्छे तरीके से दिखाया गया है, जो कई सवालों के जवाब देती है।वहीं कुकिंग शो मास्टर शेफ के जज रणवीर बरार ने भी फिल्म की खुलकर तारीफ की और कहा कि विजुअली फिल्म को बहुत मजबूत तरीके से बनाया गया है, जो आपको सोचने पर मजबूर करती है।

सिनेमाघरों में रिलीज के साथ ही 'अस्सी' को अच्छा रिस्पांस मिला था। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 1 करोड़ की कमाई की थी, जबकि दूसरे और तीसरे दिन 3.20 करोड़ रुपए की कमाई की। पहले हफ्ते फिल्म 4.20 करोड़ का कलेक्शन करने में कामयाब रही है। हालांकि, सोमवार से फिल्म के कलेक्शन में भारी गिरावट देखी गई। अब तक फिल्म 6.30 करोड़ का कलेक्शन करने में कामयाब रही। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 30 करोड़ है। बजट के हिसाब से फिल्म अभी तक एक चौथाई भी कमाने में कामयाब नहीं रही है, फिर भी लोग फिल्म की तारीफ से खुद को रोक नहीं पा रहे। माना जा रहा है कि फिल्म के फ्लॉप होने का कारण फिल्म का ठीक तरीके से प्रचार नहीं करना है। फिल्म व्यापार विशेषज्ञ की मानें तो अस्सी में स्टार पावर की कमी है और फिल्म का प्रमोशन भी सही तरीके से नहीं किया गया।

तमिलनाडु में 63 करोड़ का तूफान: रॉकिंग स्टार यश की टॉक्सिक ने रचा नया ट्रेड इतिहास

मुंबई/एजेन्सी

तमिलनाडु बॉक्स ऑफिस में बड़ा खेल हो गया है। रॉकिंग स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स की तमिलनाडु डिस्ट्रीब्यूशन डील छ63 करोड़ एडवांस पर कमीशन बेसिस में लॉक हो चुकी है। हाल के सालों में यह इस टेरीटरी की सबसे बड़ी डील्स में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर जबरदस्त उम्मीदें पहले से ही थीं, और अब यह डील इसे राज्य की सबसे बड़ी आने वाली रिलीज में शुमार कर रहा है। पूरे तमिलनाडु में फिल्म को दमदार मल्टी-डिस्ट्रीब्यूटर स्ट्रैटेजी के साथ रिलीज किया जाएगा, ताकि हर सर्किट में मजबूत पकड़ बनाई जा सके। चेन्नई सिटी को थिंक स्टूडियोज के स्वरूप रेड्डी संभालेंगे,

जबकि चेंगलपट्टू एरिया व्हाइट नाइट्स के ट्राइडेंट रवि के जिम्मे रहेंगे। कोयंबटूर, नॉर्थ और साउथ आर्कोट, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी सर्किट की कमान एस पिक्चर श्रीनिवासन के हाथ में होगी। वहीं मदुरै और रामनाड, त्रिची और तंजावुर, और सलेम जैसे अहम सर्किट 5 स्टार सेंथिल मैनेज करेंगे। यह सुनियोजित टेरिटोरियल मॉडल सिंगल स्क्रीन से लेकर मल्टीप्लेक्स चेन तक हर जगह मजबूत शोकेसिंग सुनिश्चित करेगा।

डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स ने इस साझेदारी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि टॉक्सिक आज के समय की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक है और तमिलनाडु में इसे लेकर जो प्यार और उत्साह दिख रहा है, वह अद्भुत है। सालों से यहां के दर्शकों ने यश को जिस अपनत्व और जोश के साथ अपनाया है, वह बेहद खास है। इतनी बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्म का हिस्सा बनना हमारे लिए सिर्फ बिज़नेस डील नहीं, बल्कि एक गर्व का पल है। ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस डील के पीछे केजीएफ चैप्टर 2 की ऐतिहासिक सफलता और तमिलनाडु में यश की जबरदस्त लोकप्रियता बड़ी वजह है।

यहां के दर्शकों ने उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और खास अंदाज़ को खुले दिल से अपनाया है। यह सीमा से परे गतिविधि आज भी थिएट्रिकल मार्केट में मजबूत तालमेल में बदल रहा है। छ63 करोड़ की एडवांस डील और मजबूत टेरिटोरियल नेटवर्क के साथ टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स तमिलनाडु में ग्रैंड ओपनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म की कहानी यश और गीतू मोहनदास ने लिखी है, और डायरेक्ट भी गीतू मोहनदास ने किया है। टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स को कन्नड़ और इंग्लिश में साथ-साथ शूट किया गया है, जबकि हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब वर्जन भी रिलीज होंगे। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 मार्च 2026 को ग्लोबल के सिनेमा में रिलीज होगी। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदार में नजर आएंगी।

सामाजिक सुरक्षा कवच के 75 वर्ष

असंगठित क्षेत्र के कामगारों को मिलेगा कराबी निगम का सुरक्षा कवच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), क्षेत्रीय कार्यालय में गत 24 फरवरी को निगम का 75वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। सामाजिक सुरक्षा कवच के 75 वर्ष एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 इस समारोह के मुख्य विषय रहें। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि औद्योगिक सुरक्षा एवं आरोग्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक कार्तिकेयन तथा विशिष्ट आमंत्रित अतिथि चिकित्सा एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निदेशक डॉ. रमेश बाबू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने सामाजिक सुरक्षा में ईएसआईसी के योगदान का वर्णन करते हुए केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में क्रांतिकारी बदलाव लाए जाने की बात कही। उन्होंने गिग वर्कर्स तथा असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाए जाने को एक श्लाघनीय कदम बताया। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि खेत में काम करने वाला किसान, फैक्ट्री में पसीना बहाने वाला मजदूर और देश के सारे श्रमिक देश के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और ईएसआईसी इन सभी को अपनी व्याप्ति में समाहित कर सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करता है।

क्षेत्रीय निदेशक(प्रभारी) हरजीत सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए राज्य में श्रमिक कल्याण के लिए डिजिटलीकरण और पारदर्शिता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने नियोक्ताओं के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर प्रकाश डालते हुए आश्वस्त किया कि अब अनुपालन का बोझ कम होगा, क्योंकि कई रजिस्टरों के स्थान पर केवल एक रजिस्टर और एक लाइसेंस की व्यवस्था होगी।

ईएसआईसी के स्थापना दिवस समारोह में जागरूकता कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उप निदेशक एम. अरूल राज ने किया। कार्यक्रम में नियोक्ताओं को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के संदर्भ में ईएसआई योजना के तहत मिलने वाले सामाजिक सुरक्षा लाभों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें नए कानूनी प्रावधानों की बारीकियों पर चर्चा की गई। इसमें सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 और श्रमिक कल्याण के बारे में गहन चर्चाएं हुईं। इस कार्यक्रम ने नियोक्ताओं की शंकाओं का समाधान कर उन्हें आश्वस्त किया।

फाल्गुन एकादशी पर श्याम मंदिर में बही भजनों की गंगा, हुआ होली का धमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को आंवला एकादशी के पावन अवसर पर ताजे रंगबिरंगे फूलों से बाबा श्याम की प्रतिमा की मनमोहन सजावट की गई। सुबह से ही फागुण एकादशी के उपलक्ष्य में भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में देखी गई। सैंकड़ों भक्तों ने बाबा के दरबार में धोक लगाई तो कईंयों ने निशान अर्पण किए। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय गायकों सहित मुम्बई के गायक राकेश बावलिया ने बाबा श्याम के भजनों के साथ-साथ होली धमाल की प्रस्तुति से उपस्थित भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। शुक्रवार को पूरे दिन मंदिर में बाबा श्याम व फागुण की धुन गूंजती रही। मन्दिर कमेटी व मंदिर के संस्थापक सदस्यों ने भी उपस्थित होकर बाबा के दरबार में हाजरी लगाई। आगामी 4 मार्च को मंदिर प्रांगण में होने वाले केवल फूलों से होने वाले 'फागोत्सव' की जानकारी दी गई।

प्रवेश-पत्र वितरण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल के पावन प्रांगण में शुक्रवार को 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु प्रवेश-पत्र वितरण समारोह अत्यंत गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, अभिभावकगण तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के साथ हुआ। प्रधानाचार्या डॉ जयश्री ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में परीक्षा को जीवन-संघर्ष की प्रथम सशक्त सीढ़ी निरूपित करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, संयम एवं सतत परिश्रम का अवलंबन करने का संदेश प्रदान किया। विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा ने अभिभावकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संतुलित मार्गदर्शन एवं सकारात्मक वातावरण ही विद्यार्थियों की सफलता का आधारस्तंभ है। प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य गौतम चंद बोहरा ने भी अपने संबोधन में विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। निर्धारित क्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश-पत्र प्रदान किए गए। संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित, मर्यादित एवं प्रेरणादायी रहा, जिसने परीक्षा-पूर्व वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से अनुप्राणित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन एन भास्करन ने किया।

बेंगलूरु में 35 लाख रुपए की चांदी चुराने के आरोप में एक घरेलू सहायिका गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक घरेलू सहायिका को अपने मालिक के घर से लगभग 35 लाख रुपये मूल्य के 12.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जीवन बीमा नगर थाने की पुलिस ने चैत्रा को गिरफ्तार किया है।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि वह पिछले ढाई साल से शहर के एक प्रतिष्ठित अस्पताल के डॉक्टर के घर पर काम कर रही थी। उनके अनुसार, चैत्रा दावणगेरे की रहने वाली है और उसने कथित तौर पर कई बार में घर से चांदी के बर्तन और पूजा सामग्री चुराई। पुलिस ने कहा, 'डॉक्टर के परिवार ने ऊपरी मंजिल पर लगभग 12.5 किलोग्राम चांदी के बर्तन जमा कर रखे थे, जिनका इस्तेमाल केवल त्योहारों के दौरान किया जाना था।' उसने बताया, ''आरोप है कि महिला ने एक-एक करके बर्तन लिए, उन्हें गिरवी रखकर पैसे जुटाए और फिर उस रकम को खर्च कर दिया। संदेह से बचने के लिए, वह उसी घर में काम करती रही।''

दीपावली से कुछ दिन पहले आरोपी ने कथित तौर पर अपनी नौकरी छोड़ दी। पुलिस आयुक्त ने बताया, ''त्योहार की तैयारियों के तहत जब परिवार ने चांदी के बर्तनों से भरा बैग खोला तो उसे बर्तन गायब मिले । फिर उसने पुलिस से संपर्क किया।'' शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। सिंह ने बताया, ''हमने पूर्व कर्मचारियों से पूछताछ की और चैत्रा से पूछताछ के दौरान चोरी का खुलासा हुआ। हमने उसके पास से लगभग 35 लाख रुपये मूल्य के 12.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।'' मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चैत्रा ने कहा कि उसे अपने पति के कैंसर के इलाज के लिए पैसों की जरूरत थी।

दक्षिण भारतीय कला व संस्कृति पर जैन धर्म का गहरा प्रभाव : अभय श्रीश्रीमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ अलवारपेट स्थित सीपी रामास्वामी अय्यर प्राच्यविद्या शोध संस्थान में 27 फरवरी, शुक्रवार को लाइफसेल इंटरनेशनल के चेयरमैन अभयकुमार श्रीश्रीमाल जैन ने बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के साझे में 'दक्षिण भारत में जैन धर्म : इतिहास, कला और संस्कृति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन उद्बोधन में श्रीश्रीमाल ने कहा कि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के सभी राज्यों की कला, संस्कृति और साहित्य के संवर्धन में जैनों का ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत जैन पुरासंपदा का भंडार है। यहाँ उस कालखंड की दुर्लभ विरासत भी है, जब जैन धर्म संप्रदायों में विभक्त नहीं हुआ था। सीपी रामास्वामी के योगदान को याद करते हुए श्रीश्रीमाल ने कहा कि जैनों ने समणपल्लियों के जरिए जन-जन में ज्ञान की चेतना जगाई। तमिल प्रदेश में समणपल्ली का इतना गहरा प्रभाव रहा कि आज भी तमिल में स्कूल को पल्ली ही कहा जाता है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में अति प्राचीन काल से ही जैन धर्म विद्यमान है। इस प्रदेश का कोई जिला ऐसा नहीं है, जहाँ कोई जैन अभिलेख उपलब्ध नहीं हो। इनमें ईस्वी पूर्व के शिलालेख भी हैं। ये अभिलेख तमिलनाडु के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक जीवन पर ऐतिहासिक प्रकाश डालते हैं।

तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य पी. राजेन्द्र प्रसाद जैन ने तिरुकुरल के प्रथम पद का उच्चारण करके प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ का स्मरण किया और अहिंसा वॉक तथा मदुरै में बनने वाले जैन विरासत केन्द्र की जानकारी दी। पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि का कथन उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि तमिल साहित्य में जैनों का सर्वाधिक योगदान है। इस पर बेंगलूरु की इतिहासकार प्रो. चूडामणि नंदगोपाल ने कहा कि कन्नड़ साहित्य के विकास में भी जैनों का सर्वाधिक योगदान है। संस्थान निदेशक डॉ. नंदिता कृष्णा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बलिप्रथा की खिलाफत और शाकाहार की प्रतिष्ठा में भगवान महावीर का उपकार कभी नहीं भुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के संस्थापक भगवान ऋषभदेव और अन्य कुछ तीर्थंकरों का वेदों में भी उल्लेख हैं।

जैन दर्शन के विद्वान डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि संगोष्ठी में शसुन जैन कॉलेज द्वारा निर्मित हिंदी लघुफिल्म अनमोल विरासत (तमिलनाडु में जैन धर्म)' दिखाई गई, जिसे बहुत पसंद किया गया। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. जी. बालाजी ने मुख्य अतिथि श्रीश्रीमाल की उपलब्धियाँ बताईं। संस्थान की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया। शुरू में श्रीनिवासन ने तमिल में और शसुन जैन कॉलेज की छात्राओं ने प्राकृत में मंगलाचरण किया। तकनीकी सत्र में मेघ कल्याणसुंदरम ने बताया कि तीर्थंकर महावीर ने बुद्ध से बहुत पहले अपने तीर्थ की स्थापना कर ली थी। डॉ. ई. शिवनागी रेड्डी ने तेलंगाना में जैन विरासत, केवी रामकृष्ण राव ने पश्चिमी तट से जैनों द्वारा समुद्री व्यापार, एस. अनुराधा ने दक्षिण भारतीय राजवंशों पर जैन धर्म का प्रभाव पर शोधपत्र पढ़े। डॉ. सीके शिवप्रकाशम, शिव शंकर बाबू आदि ने भी शोधपत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में दक्षिण भारत के सभी राज्यों से आए विद्वान, विद्यार्थी, शोधार्थी और समाजजन उपस्थित थे। शनिवार शाम को संगोष्ठी का समापन होगा।

नेत्र शिविर में 114 लोगों की नेत्र जांच हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा स्व. मांगीलाल नेमीचंद एवं पानकंवर चोरड़िया की स्मृति में गौतम चंद, उत्तम चंद, सुरेश चंद, चैनराज चोरड़िया वेलाचेरी के सहयोग से 27 फरवरी को 2989वां निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। वेलाचरी स्थित एस.एस. जैन संघ स्थानक हाल में लगाए गऐ इस शिविर में अग्रवाल आई अस्पताल की चिकित्सकिय टीम ने 114 लोगों की आंखों की जांच की। जिनमें 18 जनों की आंखों में मोतियाबिंदु पाया गया जिनकी सर्जरी करवाई जाएगी। साथ ही 69लोगों को चश्में बनाकर दिए जाएंगे। शिविर में 79 लोगों ने शुगर एवं बीपी टेस्ट करवाएं।

शिविर में महावीर खाबिया, उत्तम चंद चौरडिया, पुखराज चौधरी, प्रकाश चंद भंडारी, रुपेश बोहरा, राजुदास आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

अफगानिस्तान के साथ अब 'खुली जंग' जारी है : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद/एपी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा कि ''हमारे देश का धैर्य अब जवाब दे चुका है'' और अब अफगानिस्तान के खिलाफ ''खुली जंग'' जारी है। इस्लामाबाद ने दावा किया था कि अफगानिस्तान की ओर से सीमा पार हमला किया गया है जिसके बाद उसने जवाबी कार्रवाई की और दोनों ओर से हमले शुरू हो गए। इसके उपरांत आसिफ का यह बयान आया है। रक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पाकिस्तान को आशा थी कि नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) बलों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में शांति कायम होगी और तालिबान अफगानिस्तान की जनता की भलाई तथा क्षेत्र में स्थिरता पर ध्यान देगा...।'' उन्होंने कहा, ''हमारा धैर्य अब जवाब दे चुका है। अब हमारे बीच खुली जंग की स्थिति है।'' आसिफ की टिप्पणियों पर अफगानिस्तान सरकार के अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पाकिस्तानी अधिकारियों और अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद के अनुसार, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल, दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्व में पक्तिया प्रांत में हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले अफगानिस्तान द्वारा किए गए सीमा पार हमलों के जवाब में थे।पड़ोसी देशों के बीच तेज हुए हमलों से कतर की मध्यस्थता में हुआ संघर्षविराम कमजोर पड़ता दिख रहा है।

पालकी यात्रा

वाराणसी में रंगभरी एकादशी के मौके पर साधु और भक्त बाबा काशी विश्वनाथ की पालकी यात्रा में हिस्सा लेते हुए।

आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ धर्म संघ की साध्वीश्री पावनप्रभाजी, साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी का केरल एरनाकुलम में मूर्तिपूजक संघ की साध्वियों से आध्यात्मिक मिलन हुआ। इस आध्यात्मिक मिलन के मौके पर तेरापंथ सभा बेंगलूरु के पूर्व मंत्री गौतम मांडोत, नवरतन पोरवाल, गौतम डोसी आदि उपस्थित थे। सभी श्रावकों ने साध्वियों के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

माहेश्वरी महिलाओं के 'होली के रसिया' कार्यक्रम में रही भक्ति और मस्ती की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 'फूलों की होली-होली के रसिया के संग' नामक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया। इस होली कार्यक्रम में स्थानीय भजन गायक मोनू गादिया व उनकी टीम ने होली के गीत व धमाल की प्रस्तुति दी तथा सदस्याओं द्वारा अनेक झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, युवा संघ के अध्यक्ष विवेक भूतड़ा, सलाहकार पुष्पा सारड़ा, महिला संगठन की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा एवं सचिव शोभा भूतड़ा ने दीप प्रज्वलित कर भगवान महेश का जयकारा लगाया। महिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जैसे फूलों में अलग-अलग पंखुड़ियां होती है अलग-अलग रंग होते हैं लेकिन खुशबू सभी देते हैं वैसे ही हम सभी अपने आप में अलग-अलग है लेकिन संगठन में मिलकर एकजुट होकर कार्य करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। महिला संगठन की सलाहकार सावित्री मालू, भगवानदास लाहोटी, सत्यनारायण मालानी ने गायक मोनू गादिया का सम्मान किया। इस आयोजन में राधा कृष्ण की झांकी के साथ दीपा बल्दवा और टीम ने फागुन महारास की प्रस्तुति दी जिसे सभी ने खूब सराहा। कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 170 महिलाओं ने फूलों की होली के साथ भजनों का खूब आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव शोभा भूतड़ा ने किया एवं धन्यवाद सहसचिव गायत्री मालपानी ने दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.